UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

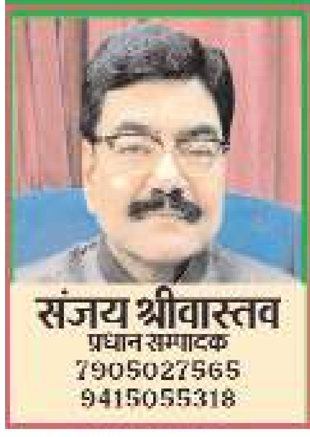

यंग भारत वेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-216 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) रविवार 19 जुलाई 2026 youngbharatE-paper.com

यूपी के ग्राम प्रधानों के लिए बड़ी खबर! सरकार जारी करेगी नई गाइडलाइन

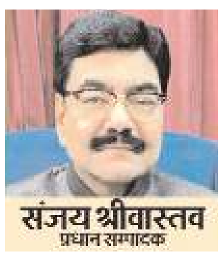

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश की पंचायत व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। राज्य सरकार प्रदेश के निवर्तमान ग्राम प्रधानों, जिला पंचायत अध्यक्षों और ब्लॉक प्रमुखों के लिए जल्द ही एक विस्तृत गाइडलाइन जारी करने की तैयारी में है। इस पहल का मुख्य मकसद यह स्पष्ट करना है कि प्रशासक के तौर पर ये प्रतिनिधि किन कार्यों में फैसले ले सकते हैं और किन नीतिगत मामलों में उनकी शक्तियां सीमित रहेंगी।

पंचायती राज विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, यह पहली बार है जब पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशासक की जिम्मेदारी दी गई है। इसे लेकर कई जगहों पर उलझन की स्थिति पैदा हो गई थी कि प्रशासक के रूप में उनकी कार्य करने की सीमा क्या होगी। नई गाइडलाइन के बाद पूरे उत्तर प्रदेश में एक समान व्यवस्था लागू होगी, जिससे प्रशासकों को अपने प्रशासनिक और नियमित कार्यों की सीमा पता चल जाएगी। इससे अनावश्यक विवादों पर विराम लगेगा और काम में स्पष्टता आएगी। सरकार का पूरा जोर इस बात पर है कि पंचायतों का कामकाज किसी भी स्थिति में बाधित न हो। नई गाइडलाइन में साफ प्रावधान किए जा रहे हैं ताकि गांव की सफाई, पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट और सरकारी योजनाओं का लाभ आम जनता तक बिना देरी के पहुंचता रहे। हालांकि, इसमें यह भी तय किया जाएगा कि प्रशासक नई योजनाओं को मंजूरी देने या बड़े वित्तीय फैसले लेने में किस हद तक भूमिका निभा सकते हैं। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि रोजमर्रा के विकास कार्यों की रफ्तार कम न हो। गाइडलाइन न होने के कारण अब तक कई निवर्तमान ग्राम प्रधानों और जिला पंचायत अध्यक्षों को अपने अधिकारों को लेकर भ्रम था। वे जिला पंचायत राज अधिकारियों के पास अपनी जिम्मेदारियों को समझने के लिए चक्कर काट रहे थे, लेकिन अलग-अलग जगहों पर अलग जानकारी मिलने से समस्या बनी हुई थी।

अब विभाग इस पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित करने जा रहा है, ताकि प्रदेश भर के प्रतिनिधियों को एक जैसा और सटीक दिशा-निर्देश मिल सके। खबरें यह भी हैं कि प्रदेश के 826 ब्लॉक प्रमुखों का कार्यकाल खत्म होने के कगार पर है। सरकार जल्द ही उन्हें भी प्रशासक नियुक्त करने के आदेश जारी कर सकती है। यदि ऐसा होता है, तो ब्लॉक स्तर पर भी प्रशासनिक कार्यों की निरंतरता बनी रहेगी और विकास की गति पर ब्रेक नहीं लगेगा। यह कदम प्रदेश भर के ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी कामकाज को पटरी पर रखने की दिशा में एक बड़ा फैसला माना जा रहा है।

अखिलेश ने रची आजम खान को फंसाने की साजिश'

जौहर यूनिवर्सिटी विवाद पर ओपी राजभर का बड़ा खुलासा

(यंग भारत न्यूज)

जौहर यूनिवर्सिटी एक बार फिर सुर्खियों में है और इस बार मामला सिर्फ प्रशासन की कार्रवाई तक सीमित नहीं, बल्कि राजनीति के गलियारों में बड़े धमाके का है। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री और सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर एक बेहद गंभीर आरोप लगाया है।

राजभर का दावा है कि अखिलेश यादव ने खुद आजम खान को फंसाने की साजिश रची थी। ओपी राजभर ने एक तीखे सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अखिलेश यादव को घेरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण के दौरान जो खेल हुआ, उसमें अखिलेश की पूरी भूमिका थी। राजभर ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा, 'अगर अखिलेश यादव ने उसी समय सरकारी जमीन को कागजों पर सही तरीके से ट्रांसफर कर दिया होता, तो आज आजम खान को यह दिन नहीं देखना पड़ता। उन्होंने जानबूझकर ऐसी स्थिति छोड़ी ताकि भविष्य में आजम खान को फंसाया जा सके।' राजभर का मानना है कि आजम खान उसी 'साजिश' का शिकार हो रहे हैं। जौहर यूनिवर्सिटी पर हो रही कार्रवाई पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए राजभर ने सपा पर करारा हमला किया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'अवैध यूनिवर्सिटी किसने बनाई? आजम खान ने। टैक्स किसका लगा? आम जनता और हिंदुओं का। लेकिन नौकरी किसको मिली? सिर्फ आजम खान के रिश्तेदारों को।' राजभर ने इसे सपा के 'सैफई परिवार' और आजम खान के बीच की मिलीभगत बताया और कहा कि इस तरह के कारनामे किसी को भी शर्मसार करने के लिए काफी हैं। जौहर यूनिवर्सिटी की 40 में से 38 इमारतों के नक्शे पास न होने और उनके ध्वस्तीकरण के आदेश पर राजभर ने साफ कहा कि अब यह 'डबल इंजन' की सरकार है। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलना तय है। मंत्री ने कहा, 'बेचैन मत होइए, जैसी करनी वैसी भरनी। जो गलत हुआ है, उसकी सजा तो मिलनी ही है।' गौरतलब है कि हाल ही में रामपुर विकास प्राधिकरण की जांच में जौहर यूनिवर्सिटी की अधिकांश इमारतों को अवैध पाया गया है। इसके अलावा, पीडब्ल्यूडी ने भी यूनिवर्सिटी के अंदर की सड़क को सार्वजनिक रास्ता घोषित कर दिया है। प्रशासन की इस सख्ती ने आजम खान की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं, जबकि यूपी की राजनीति में इस बयानबाजी से नया उबाल आ गया है।

सुर्खियां

20 जुलाई से कालपी कॉलेज में शुरू होंगी बीएड प्रथम व द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं

कालपी -उरई। स्थानीय नगर स्थित कालपी कॉलेज कालपी परीक्षा केंद्र में 20 जुलाई से बीएड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं प्रारंभ होंगी। परीक्षा को नकलविहीन, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए महाविद्यालय प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मधु प्रभा त्रिपाठी ने बताया कि इस परीक्षा केंद्र पर चार महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं परीक्षा देंगे।

जंगल में संचालित जुए के फड़ पर कोटरा पुलिस का छापा, आठ बाइक, स्कूटी और कार सीज

उरई/कोटरा। कोटरा थाना क्षेत्र के सला घाट और धुरट के जंगल में बड़े पैमाने पर संचालित किए जा रहे जुए के फड़ पर पुलिस ने शनिवार को छापेमारी कर कार्रवाई की। पुलिस के मौके पर पहुंचते ही जुआ खेल रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई और सभी आरोपी अपने वाहन छोड़कर जंगल के रास्ते फरार हो गए।

लोडर की टक्कर से बाइक सवार तीन लोग घायल

जालौन-उरई। बाइक से पूजा करने जा रहे परिवार के सदस्यों को लोडर ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया गया। जहां दो लोगों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें उच्च संस्थान रेफर किया गया। कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भेंड निवासी श्यामू (38) बाइक से लक्ष्मी (13) और राज (9) को लेकर रामपुरा थाना क्षेत्र के धूता बहराई गांव पूजा करने के लिए जा रहे थे। शनिवार की दोपहर करीब दो बजे जब

आमिर खान को लॉरेंस बिश्नोई गैंग की धमकी, तीसरी शादी को बताया लव जिहाद, कहा- सांसें दबा देंगे

(यंग भारत न्यूज)

तीसरी शादी करने वाले बॉलीवुड एक्टर आमिर खान को लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से धमकी दी गई है. सोशल मीडिया पर एक पोस्ट और ऑडियो क्लिप सामने आई है, जिसे कथित तौर पर आरज़ू बिश्नोई और टायसन बिश्नोई ने शेयर किया है, जो खुद को लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप से जुड़ा बताते हैं. मैं, पोस्ट में इन लोगों ने कहा कि आमिर खान जैसे लोग हमारे देश में 'लव जिहाद' को बढ़ावा दे रहे हैं, जो हमारी संस्कृति के खिलाफ है. हम इस आदमी को बर्दाश्त नहीं करेंगे, और जल्द ही उसे इसके नतीजे भुगतने होंगे. यह सनातन धर्म और देश के खिलाफ है.

हालांकि सूत्रों का कहना है कि मुंबई पुलिस को अब तक आमिर खान या उनकी टीम से कोई शिकायत नहीं आई है. पुलिस को भी मीडिया से फेसबुक और वॉइस नोट के ज़रिए कथित धमकी की जानकारी मिली है जिसे वे वेरीफाई कर रहे हैं. आमिर ख़ान की ओर से शिकायत मिलने पर मामला दर्ज किया जा सकता है. काला हिरण शिकार केस को लेकर लॉरेंस बिश्नोई का सलमान खान के साथ लगातार विवाद चल रहा है. इस बीच अब बिश्नोई गैंग की ओर से पहली बार आमिर खान को धमकी दी गई है. सोशल मीडिया पर सामने आए पोस्ट और ऑडियो क्लिप में आमिर खान की तीसरी शादी को लव जिहाद बताया गया है. लिखा गया कि हम अपने भाइयों, बहनों और देशवासियों से वादा करते हैं कि जो कोई भी ऐसी शर्मनाक हरकत को बढ़ावा देगा, उससे हम अपने तरीके से निपटेंगे. जो लोग स्टारडम के नाम पर इसे बढ़ावा दे रहे हैं, उनकी सांसें दबा देंगे. मालूम हो कि आमिर खान की तीसरी शादी को नितेश राणे ने भी लव जिहाद बताया था. विवाद बढ़ने पर आमिर खान ने रेडिफ के साथ बातचीत में कहा- 'मेरी तीनों शादियों में किसी भी पत्नी ने धर्म परिवर्तन नहीं किया, क्योंकि शादियां सिविल मैरिज थीं. तीसरी पत्नी गौरी हिंदू नहीं बल्कि ईसाई हैं.' आमिर खान को दी गई धमकी में लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने राजस्थान के श्रीगंगानगर में बच्ची के साथ हुई दरिंदगी की घटना का भी जिक्र किया. लिखा- हम राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक मासूम लड़की के साथ हुए भयानक अपराध का भी जिक्र करना चाहते हैं. प्रशासन ने सराहनीय काम किया है, लेकिन कुछ राजनीतिक नेता कुछ आरोपियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं. यह हमारी पहली और आखिरी चेतावनी है: उस मासूम लड़की के खिलाफ अपराध में जो कोई भी एक प्रतिशत भी शामिल था और कानून से बच निकलता है, उसे हम सज़ा देंगे.जो राजनीतिक नेता उन्हें बचाने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें तुरंत दखल देना बंद कर देना चाहिए, वरना उनका भी वही हश्र होगा जो उन लोगों का होगा जिन्हें वे बचा रहे हैं. थोड़ी इंसानियत दिखाओ. पोस्ट में प्रवेश और हिमांशु को 'शहीद' बताते हुए लिखा कि वो हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे. हम आपकी कुर्बानी बेकार नहीं जाने देंगे. हमारे दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब मिलेगा.

वर्ष 2029 के आम चुनाव मे संघ की सहमति से मोदी की जगह योगी हो सकते हैं भाजपा का चेहरा ?

क्या योगी को 27 के विधानसभा चुनाव के बाद केंद्र में गृहमंत्री बनाया जाएगा

अनिल शर्मा + संजय श्रीवास्तव
(यंग भारत न्यूज)

संघ के सूत्रों से छन कर आई हैं यह चौकाने वाली खबर

दिल्ली / लखनऊ! जिस तरह से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शीर्ष नेतृत्व ने बिहार के युवा नेता नितिन नवीन को भाजपा के संगठन का सबसे महत्वपूर्ण पद राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर सभी को चौंका दिया है और जिस तरह से राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बीच सह और मात का खेल चल रहा है उसके चलते यह संभावना बढ़ गई है की संघ का शीर्ष नेतृत्व क्या 2019 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जगह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चुनाव का मुख्य चेहरा बनाएगा इसके पीछे तर्क यह दिया जा रहा है कि आगामी पावस सत्र में लोकसभा में जो बिल पेंडिंग पढ़े पड़े हैं उसके लिए दो तिहाई बहुमत जुटा कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह इन बिलों को पास करवा लेंगे जो महत्वपूर्ण है इसके बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नेतृत्व जिस तरह से नितिन नवीन जैसे अनजान चेहरे को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनवा दिया उसी तरह से संघ नेतृत्व 2027 के उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चेहरे पर ही चुनाव लड़ना चाहता है लेकिन इसके बाद वह योगी आदित्यनाथ को भाजपा और संघ

का राष्ट्रीय चेहरा बनाने के लिए उन्हें वर्ष 2028 में केंद्रीय मंत्रिमंडल में गृहमंत्री का पद देकर केंद्र में बुला सकता है क्योंकि पावस सत्र के पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल में विस्तार होने के साथ-साथ गृहमंत्री अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाए जाने की संभावना है इसी तरह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी उप प्रधानमंत्री बनाया जा सकता है ताकि यह महत्वपूर्ण पेंडिंग तीन बिल आसानी से पास हो सकते हैं क्योंकि एलडीए के सहयोगी दलों के साथ-साथ चंद्रबाबू नायडू की पार्टी और डीएम एवं अन्य पक्षी दलों का भी समर्थन मिल सकता है कुछ विपक्षी दल सदन से वॉक आउट कर भाजपा के इन बिलों को परोक्ष रूप से समर्थन दे सकते हैं इसी तरह के उप प्रधानमंत्री बनने के बाद वर्ष 2028 में संघ का केंद्रीय नेतृत्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को तैयार करके केंद्र में गृहमंत्री बनवा देगा उसके बाद वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जगह योगी आदित्यनाथ को भाजपा के चुनाव का मुख्य चेहरा बनाने की पूरी कोशिश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शीर्ष नेतृत्व कर सकता है इस बात की चर्चा लखनऊ में होने पर भाजपा के अंदर खाने मुख्यमंत्री पद के दावेदार उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह राजपूत राज्यसभा सांसद डॉक्टर दिनेश शर्मा के चेहरों पर खुशी की लहर देखी जा रही है कुल मिलाकर के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जिस तरह से नितिन नवीन जैसे अंजन युवा चेहरे को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनवा दिया तो वर्ष 2029 के चुनाव में यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जगह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगामी लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जगह योगी आदित्यनाथ भाजपा का मुख्य चुनावी चेहरा बन जाए तो आश्चर्य नहीं करना चाहिए

फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पुलिस ने किया पर्दाफाश, एक गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जिले की पुलिस व साइबर क्राइम थाना टीम ने फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर ऑनलाइन ठगी करने वाले एक संगठित अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए उसके एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो मोबाइल फोन और एक सिम कार्ड बरामद किया गया है। प्रारंभिक जांच में गिरोह के तार कई राज्यों से जुड़े पाए गए हैं।

शनिवार को पुलिस लाइन में आयोजित प्रेसवार्ता में अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने बताया कि 8 जुलाई 2026 को प्रतिबिंब पोर्टल पर प्राप्त संदिग्ध मोबाइल नंबरों के आधार पर साइबर क्राइम थाना उरई में भारतीय न्याय संहिता की धारा 66सी एवं 66डी के तहत सिरसाकलार थाना क्षेत्र के मानपुर निवासी दीपेन्द्र कुमार पुत्र मान सिंह के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन में दो टीमों का गठन किया गया।विवेचना के दौरान गिरोह के छह सदस्यों की पहचान हुई। शुक्रवार को पुलिस ने दीपेन्द्र कुमार को उरई के इकलासपुरा चौराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि गिरोह बिहार पुलिस के विभिन्न थानों में दर्ज मुकदमों की प्रतियां स्टेट क्राइम ब्यूरो, बिहार की वेबसाइट से डाउनलोड करता था। इसके बाद मुकदमा दर्ज कराने वाले व्यक्तियों को स्वयं को पुलिस अधिकारी बताकर फोन किया जाता था और कार्रवाई या केस निपटाने का झांसा देकर उनसे गिरोह द्वारा बताए गए बैंक खातों में ऑनलाइन रुपये जमा कराए जाते थे।जांच के दौरान पुलिस ने घटना में प्रयुक्त 12 सिम कार्डों का राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर सत्यापन कराया, जिसमें इन सिम नंबरों के विरुद्ध 24 ऑनलाइन शिकायतें दर्ज मिलीं। इनमें बिहार सहित अन्य राज्यों के मामले भी शामिल हैं, जिससे गिरोह के लंबे समय से अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय होने की पुष्टि हुई है।अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है तथा गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। बरामद मोबाइल फोन और सिम कार्ड का डिजिटल विश्लेषण कर गिरोह से जुड़े अन्य मामलों की भी जांच की जा रही है।पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति स्वयं को पुलिस अधिकारी या सरकारी कर्मचारी बताकर धनराशि की मांग करे तो उसकी सत्यता की तत्काल जांच करें तथा किसी भी प्रकार की साइबर ठगी की सूचना तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या निकटतम पुलिस थाने में दें।

20 जुलाई से कालपी कॉलेज में शुरू होंगी बीएड प्रथम व द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। स्थानीय नगर स्थित कालपी कॉलेज कालपी परीक्षा केंद्र में 20 जुलाई से बीएड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं प्रारंभ होंगी। परीक्षा को नकलविहीन, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए महाविद्यालय प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मधु प्रभा त्रिपाठी ने बताया कि इस परीक्षा केंद्र पर चार महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं परीक्षा देंगे। इनमें लक्ष्मी देवी महाविद्यालय, मदारीपुर, पंडित गंगाधर पांडे श्रवण कुमार महाविद्यालय, परशुराम द्विवेदी महाविद्यालय, जगम्मनपुर तथा स्वर्गीय गफूर खान महाविद्यालय, बबीना के परीक्षार्थी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि परीक्षा को पूरी तरह नकलविहीन बनाने के लिए सभी परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाएगी। इसके अलावा परीक्षा के सफल संचालन हेतु डॉ. राधा रानी श्रीवास्तव, सोम चौहान, डॉ. कुमार, डॉ. शैलेंद्र शेखर वशिष्ठ, पंकज द्विवेदी, डॉ. अरुण बाजपेई, डॉ. भारती, रवि मिश्रा, निगम सहित अन्य शिक्षकों एवं कर्मचारियों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

जंगल में संचालित जुए के फड़ पर कोटरा पुलिस का छापा, आठ बाइक, स्कूटी और कार सीज

(यंग भारत न्यूज)

उरई/कोटरा। कोटरा थाना क्षेत्र के सला घाट और धुरट के जंगल में बड़े पैमाने पर संचालित किए जा रहे जुए के फड़ पर पुलिस ने शनिवार को छापेमारी कर कार्रवाई की। पुलिस के मौके पर पहुंचते ही जुआ खेल रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई और सभी आरोपी अपने वाहन छोड़कर जंगल के रास्ते फरार हो गए।

पुलिस ने मौके से आठ दोपहिया वाहन (बाइक एवं स्कूटी) तथा एक कार बरामद कर उन्हें ट्रैक्टर के माध्यम से कोटरा थाने लाकर सीज कर दिया। अब पुलिस बरामद वाहनों के पंजीकरण नंबरों के आधार पर उनके स्वामियों की पहचान कर जुए के फड़ में शामिल लोगों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की तैयारी कर रही है। जानकारी के अनुसार, कोटरा थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि सला घाट और धुरट के जंगल में बड़ी संख्या में लोग जुए का फड़ लगाकर लाखों रुपये का दांव लगा रहे हैं। सूचना पर थाना प्रभारी विमलेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखते ही जुआरी अपने वाहन छोड़कर जंगल का फायदा उठाते हुए फरार हो गए। प्राथमिक जानकारी में सामने आया है कि यह जुए का फड़ मंगल सिंह पटेल निवासी एट द्वारा संचालित कराया जा रहा था। हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद दोषियों के विरुद्ध जुआ अधिनियम सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी विमलेश कुमार ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जुए के फड़ पर दबिश दी। मौके से बरामद वाहनों को सीज कर लिया गया है तथा वाहन स्वामियों और जुए में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बिजली समस्या को लेकर कदौरा के किसान पहुँचे जालौन तहसील

(यंग भारत न्यूज)

जालौन -उरई। ओवरलोड के चलते नलकूपों पर बिजली न आने से धान की फसल सूखकर बर्बाद हो रही है। इसको लेकर परेशान किसान कदौरा ब्लॉक से 90 किमी चलकर जालौन तहसील पहुंचे। जहां उन्होंने डीएम को ज्ञापन सौंपकर समस्या का समाधान कराने की मांग की है। कालपी तहसील के ब्लॉक कदौरा क्षेत्र निवासी किसान उदनपुर निवासी बबलू रामबाबू, खुटमिली निवासी रवि सिंह, मुकुंद शुक्ला, ललित यादव, नामेंद्र सिंह, भोला आदि शनिवार की दोपहर 90 किमी दूर जालौन तहसील पहुंचे। किसानों ने बताया कि उनके क्षेत्र में बिजली की काफी समस्या है। इसके लिए वह डीएम से मिलने के लिए उरई आए थे लेकिन वहां पता चला कि डीएम जालौन में आयोजित होने वाले संपूर्ण समाधान दिवस में हैं तो वह यहां भी चले आए। किसानों ने बताया कि परौसा उपकेंद्र के उदनपुर फीडर में बागी, रोगी अजहरा, नजीरपुर, उदनपुर, इटौरा मौजा, कुसमरा, खुटमिली, जयजतपुर, ड्यूहा गढ़ेरा आदि गांव हैं। इस फीडर पर अधिक गांव होने के चलते ओवरलोड की समस्या बनी रहती है। ओवरलोड होने के चलते इस फीडर की मशीन बार बार खराब हो जाती है और बिजली आपूर्ति प्रभावित होती है। उनके क्षेत्र में करीब 2000 एकड़ में धान की फसल की बुवाई हुई है। लेकिन बिजली की समस्या के चलते नलकूप नहीं चल पा रहे हैं और फसल सूखकर बर्बाद हो रही है। इस बाबत बिजली निगम के अधिकारियों को कई बार शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है। लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। यदि ओवरलोड की समस्या के लिए अतिरिक्त मशीन की व्यवस्था करा दी जाए तो एक ही मशीन पर पड़ने वाला लोड कम हो जाएगा। वहीं, डीएम ने किसानों से बात कर उनकी समस्या को जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया।

लोडर की टक्कर से बाइक सवार तीन लोग घायल

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। बाइक से पूजा करने जा रहे परिवार के सदस्यों को लोडर ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया गया। जहां दो लोगों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें उच्च संस्थान रेफर किया गया।

कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भेंड निवासी श्यामू (38) बाइक से लक्ष्मी (13) और राज (9) को लेकर रामपुरा थाना क्षेत्र के धूता बहराई गांव पूजा करने के लिए जा रहे थे। शनिवार की दोपहर करीब दो बजे जब वह बाइक लेकर सरावन गांव के पास पहुंचे तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार लोडर के चालक ने अनियंत्रित होकर उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर निकल रहे राहगीरों ने हादसे की सूचना यूपी 112 को दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस से तीनों घायलों को सीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद श्यामू व राज की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें उच्च संस्थान रेफर कर दिया। वहीं, हादसे के बाद लोडर चालक लोडर को मौके पर ही छोड़कर भाग निकला।

जालौन एसडीएम पद से स्थानांतरित होने के बाद आईएएस रिंकू सिंह राही की सोशल मीडिया पोस्ट चर्चा में,

-व्यवस्था सुधार और सिद्वांतों पर रखे बेबाक विचार

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जालौन तहसील से एसडीएम पद से हटाए जाने के बाद आईएएस अधिकारी रिंकू सिंह राही द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर की गई कई पोस्ट इन दिनों व्यापक चर्चा का विषय बनी हुई हैं। इन पोस्टों में उन्होंने सुशासन, प्रशासनिक व्यवस्था, व्यक्तिगत सिद्धांतों तथा व्यवस्था में सुधार को लेकर अपने विचार साझा किए हैं, जिन्हें सोशल मीडिया पर तेजी से साझा किया जा रहा है।

रिंकू सिंह राही ने अपनी एक पोस्ट में लिखा कि जब वे स्वयं की तुलना उन लोगों से करते हैं जो व्यवस्था में सुधार के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तो उन्हें आत्मग्लानि होती है। उनका कहना है कि केवल पद पर बने रहने के लिए अपने सिद्धांतों से समझौता करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि सभी लोग समझौता कर लेंगे तो व्यवस्था में बदलाव संभव नहीं होगा, इसलिए कुछ लोगों का अपने सिद्धांतों पर अडिग रहना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्होंने शासन को एक पत्र भी लिखा है। पत्र में अनुरोध किया गया है कि यदि जालौन में उपजिलाधिकारी (न्यायिक) के रूप में उनकी तैनाती के दौरान उनसे कोई त्रुटि हुई हो तो नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही दंड प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद उन्हें किसी तहसील, अधिमानत: जालौन, में उपजिलाधिकारी के रूप में कार्य करने का अवसर दिया जाए, ताकि उन्हें पर्याप्त फील्ड अनुभव प्राप्त हो सके। राही ने यह भी कहा कि यदि जालौन में तैनाती संभव न हो तो उत्तर प्रदेश के किसी ऐसे जनपद में नियुक्ति दी जाए, जहां संविधान सम्मत सुशासन लागू करने में प्रशासनिक या राजनीतिक बाधा न हो। यदि यह भी संभव न हो तो उन्होंने अपने कैडर परिवर्तन की अनुमति देने का अनुरोध किया है। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने घोषणा की कि अंतिम निर्णय होने तक वे 22 जुलाई 2026 से आधा वेतन लेने का निर्णय कर रहे हैं। उन्होंने आग्रह किया कि इस निर्णय को अनुशासनहीनता के रूप में न देखा जाए, बल्कि सद्भावना से स्वीकार किया जाए। 15 जुलाई की पोस्ट में रिंकू सिंह राही ने लिखा कि उनके मन में हमेशा यह द्वंद्व रहता है कि आमजन का हित करने के लिए पद पर बने रहना आवश्यक है, लेकिन कई बार पद पर बने रहने के लिए सिद्धांतों से समझौता करना पड़ता है। उन्होंने लिखा कि 'जीवन लंबा नहीं, बल्कि महान होना चाहिए। उनकी इन पोस्टों ने सोशल मीडिया के साथ-साथ प्रशासनिक हलकों में भी चर्चा तेज कर दी है। हालांकि, इस पूरे मामले पर प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। फिलहाल रिंकू सिंह राही के विचार और उनकी मांगें सार्वजनिक बहस का विषय बनी हुई हैं।

पावर ट्रांसफार्मर में मेंटेनेंस कार्य के चलते कालपी में 4 घंटे बिजली रही गुल

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। शनिवार को 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र कालपी पर स्थापित 10 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर के अनुरक्षण कार्यो के चलते कालपी में 4घंटे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान नगर के कई मोहल्लों में बिजली गुल रहने से उपभोक्ताओं को असुविधा का सामना करना पड़ा।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र कालपी में अवर अभियंता सत्य प्रकाश गौतम, नवीन सचान की देखरेख में सुलह 10 वंदे उ दोपहर एक बजे तक तकनीकी अनुरक्षण कार्य किया गया। इसके चलते कालपी जुड़े फीडरो की विद्युत आपूर्ति बंद रही। इस अवधि में रामगंज, रावगंज, गणेशगंज, कागजीपुरा,मनीगंज, तहसील क्षेत्र, इंडस्ट्रियल एरिया तरीबुलदा सहित आसपास के मोहल्लों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह प्रभावित रही।उप खंड अधिकारी धर्मेंद्र सिंह सचान के अनुसार मेंटेनेंस कार्य पूर्ण होते ही विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी गई। अभिषेक धीर भूपेन्द्र सिंह रिंकू पोरवाल दिलीप कुमार आदि कर्मचारियों को मशक्कत करनी पड़ी।

भक्तों का जत्था दंड प्रणाम करते हुए सिद्धपीठ मां कामाक्षी देवी मंदिर पहुंचा

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । चल रहे गुप्त नवरात्र के पावन पर्व पर श्रद्धा और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिल रहा। उरई मार्ग स्थित श्रीवीर बालाजी हनुमान मंदिर के पुजारी कमलेश महाराज के नेतृत्व में भक्तों का जत्था दंड प्रणाम करते हुए पहाड़पुरा स्थित सिद्धपीठ मां कामाक्षी देवी मंदिर पहुंचा। भक्तों की भक्ति और समर्पण को देखकर मार्ग में लोगों ने उन्हें जलपान कराया। बालाजी हनुमान मंदिर से गुप्त नवरात्र के पर्व पर शुक्रवार की देर रात पहाड़पुरा स्थित मां कामाक्षी देवी मंदिर के लिए यात्रा शुरू हुई। पुजारी कमलेश महाराज के नेतृत्व में श्रद्धालुओं ने जमीन पर दंडवत प्रणाम करते हुए करीब आठ किलोमीटर की दूरी तय की। हर कदम पर 'जय माता दी' और 'जय हनुमानजी महाराज' की और 'बोलो बालाजी महाराज की जय' के जयकारों से पूरा रास्ता गूंजता रहा। भक्तों ने इस कठिन तपस्या को मां की कृपा पाने का माध्यम बताया। मां कामाक्षी मंदिर पहुंचने पर पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई। भक्तों ने मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज चढ़ाया और माता को चुनरी, प्रसाद व नारियल अर्पित किए। इसके साथ पुजारियों ने हवन कर क्षेत्र में सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की। पुजारी कमलेश महाराज ने कहा कि गुप्त नवरात्रि में दंड यात्रा करने से मां की विशेष कृपा प्राप्त होती है। दंडवत यात्रा से शरीर, मन और आत्मा की शुद्धि होती है और माता सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण के साथ धार्मिक परंपराओं को जीवित रखने का भी आह्वान किया। यात्रा में शामिल श्रद्धालु आलोक शर्मा, लवकुश, ऋषभ, छोटू, जय पचौरी, ध्रुव, ओमजी, ऋषि, अंश, नितिन, प्रियांशु, प्रयांश, पिंटू, हर्ष, दिव्यांशु ने बताया कि हर वर्ष गुप्त नवरात्रि में यह परंपरा निभाई जाती है। दंडवत चलकर मां के दरबार पहुंचने से उन्हें मानसिक शांति और ऊर्जा मिलती है।

चुनाव नामांकन में कोई भी उम्मीदवार सामने न आने के चलते स्थगित

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नवीन बार एसोसिएशन की नवीन कार्यकारिणी के सदस्यों का चुनाव नामांकन में कोई भी उम्मीदवार सामने न आने के चलते स्थगित हो गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता समिति नवीन बार एसोसिएशन के चेयरमैन अधिवक्ता कृष्णचंद्र त्रिपाठी ने बताया कि नवीन बार एसोसिएशन की नवीन कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कनिष्ठ उपाध्यक्ष, मीडिया सचिव और लाइब्रेरी सचिव के पद खाली हैं। इन पदाधिकारियों को निर्वाचन के माध्यम से चुना जाना था। इसके लिए 18 जुलाई की तिथि निर्धारित की गई थी। सुबह 11 बजे से नामांकन और निर्वाचन प्रक्रिया आरंभ की जानी थी। लेकिन इन पदों पर किसी भी उम्मीदवार का नामांकन न आने के चलते चुनाव प्रक्रिया फिलहाल स्थगित कर दी गई है। निर्वाचन के लिए नई तिथि की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

डीएम व एसपी ने दिव्यांग हिमांशु को ट्राई साईकिल देकर अच्छी शिक्षा प्राप्त करने को कहा

(यंग भारत न्यूज)

जालौन -उरई। संपूर्ण समाधान दिवस में विकास खंड कुठौंद के ग्राम बिचौली निवासी लगभग 80 फीसदी दिव्यांग हिमांशु कुमार ने डीएम को बताया कि वह कक्षा आठ तक गांव में शिक्षा प्राप्त कर चुका है। उसे उच्च शिक्षा प्राप्त करना है। गांव में उच्च शिक्षा के लिए कोई स्कूल नहीं है और दिव्यांग होने के चलते पह गांव से बाहर जा नहीं सकता है। उसके पढ़ने की इच्छा को चलते डीएम ने उससे 17, 18 और 19 का पहाड़ा पूछा। जिसे हिमांशु ने तत्काल सुना दिया। इसके अलावा और भी कुछ सवाल डीएम ने उससे किए। जिसके उसने सही जबाव दे दिए। जब डीएम ने उससे पूछा कि क्या उसके पास ट्राइसाकिल है, तो उसने बताया कि उसके पास ट्राइसाइकिल भी नहीं है। डीएम ने तत्काल जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को बैटरी चालित ट्राईसाइकिल मंगवाए जाने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए। डीएम के निर्देश पर संपूर्ण समाधन दिवस के समापन पर उरई से ट्राईसाइकिल जालौन आ गई। जिसे डीएम व एसपी ने हिमांशु को देकर अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के लिए कहा। डीएम ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि दिव्यांगजन आत्मनिर्भर बनें, शिक्षा एवं रोजगार से जुड़ें तथा समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक अपना जीवन व्यतीत करें।

सीमित संसाधनो में अंजली राठौर ने कड़ी मेहनत के दम पर नीट परीक्षा में सफलता हासिल की

(यंग भारत न्यूज)

जालौन -उरई। सीमित संसाधन, साधारण किसान परिवार और डॉक्टर बनने का बड़ा सपना। इन परिस्थितियों के बीच अंजली राठौर ने कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर नीट परीक्षा में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अंजली ने पहले ही प्रयास में ऑल इंडिया स्तर पर 8035वीं रैंक प्राप्त कर यह साबित कर दिया कि मजबूत इरादों के सामने संसाधनों की कमी भी बाधा नहीं बन सकती।

मूल रूप से सरावन निवासी अंजली राठौर के पिता देवेंद्र कुमार किसान हैं, जबकि माता गीता देवी गृहिणी हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि उन्हें मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए बड़े शहर भेजा जा सके। इसके बावजूद अंजली ने हार नहीं मानी और घर पर रहकर ही तैयारी करने का निर्णय लिया। उन्होंने इंटरमीडिएट की शिक्षा कन्हैयालाल इंटर कॉलेज से पूरी की और वर्तमान में कैलाशी देवी श्रवण कुमारी महाविद्यालय में बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं। अंजली ने बताया कि डॉक्टर बनना उनका बचपन का सपना था। बाहर जाकर कोचिंग करने की इच्छा थी, लेकिन परिस्थितियों के कारण ऐसा संभव नहीं हो सका। इसके बाद उन्होंने घर पर ही नियमित अध्ययन शुरू किया। शुरुआत में सही मार्गदर्शन न मिलने से कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। शिक्षकों के सहयोग, ऑनलाइन माध्यमों और सोशल मीडिया पर उपलब्ध अध्ययन सामग्री की मदद से उन्होंने नीट के पाठ्यक्रम को समझा और अपनी तैयारी की रणनीति तैयार की। परीक्षा की तैयारी के दौरान वह प्रतिदिन 10 से 11 घंटे नियमित अध्ययन करती थीं। समय का सही प्रबंधन, लगातार अभ्यास और आत्मविश्वास उनकी सफलता की सबसे बड़ी ताकत बने। अंजली ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और शिक्षकों कोदेते हुए कहा कि परिवार ने पढ़ाई का अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया, जिससे वह पूरी लगन के साथ अपने लक्ष्य पर केंद्रित रह सकीं। अंजली की उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है। कन्हैयालाल इंटर कॉलेज में निदेशिक खुशबू अग्रवाल व उपप्रधानाचार्य आशीष चतुर्वेदी ने ने फूल मालाएं पहनाकर उनका सम्मान किया। उनकी सफलता क्षेत्र के उन विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा बन गई है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में जनसमस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर, दिव्यांग को मिला बैटरी रिक्शा, पीड़िता को 112 सेवा का दिया गया व्यवहारिक प्रशिक्षण

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने सुनीं 126 शिकायतें, 32 का मौके पर निस्तारण; संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई का दिखा प्रभाव

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। तहसील जालौन सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने दूर-दराज से आए फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। समाधान दिवस में कुल 126 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 32 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर संबंधित फरियादियों को तत्काल राहत प्रदान की गई।शेष प्रकरणों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान विकास खण्ड कुठौंद के ग्राम विचौली निवासी लगभग 80 प्रतिशत दिव्यांग हिमांशु कुमार ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह कक्षा 8 तक शिक्षा प्राप्त कर चुका है और आगे भी पढ़ाई जारी रखना चाहता है, लेकिन आवागमन के साधन के अभाव में उसे कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप तत्काल जिला दिव्यांगजन सशक्ति करण विभाग को निर्देशित कर बैटरी चालित रिक्शा उपलब्ध कराया। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि दिव्यांगजन आत्मनिर्भर बनें, शिक्षा एवं रोजगार से जुड़ें तथा समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक अपना जीवन व्यतीत करें।सम्पूर्ण समाधान दिवस में एक अन्य प्रकरण में सुखदेई देवी ने पारिवारिक विवाद से संबंधित शिकायत प्रस्तुत की। इस पर पुलिस अधीक्षक ने उन्हें आपातकालीन स्थिति में यूपी-112 सेवा का उपयोग करने की सलाह दी। जब पीड़िता ने बताया कि उसे 112 सेवा का उपयोग करने की जानकारी नहीं है, तब पुलिस अधीक्षक ने मौके पर ही मुख्य विकास अधिकारी के मोबाइल फोन से 112 नंबर डायल कराकर स्वयं स्टेप-बाय-स्टेप पूरी प्रक्रिया समझाई। कॉल दर्ज होने के कुछ ही मिनटों में यूपी-112 पीआरवी मौके पर पहुंची और जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में पीड़िता की शिकायत दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की। इस दौरान पीड़िता को आपातकालीन पुलिस सहायता सेवा के प्रभावी उपयोग का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का निस्तारण पूरी पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना तथा जनसमस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में आमजन बिना किसी संकोच के यूपी-112 सहित अन्य पुलिस सेवाओं का उपयोग करें। पुलिस प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और सहायता के लिए पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि लोगों को आपातकालीन सेवाओं के प्रति जागरूक करना भी पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, ताकि संकट की घड़ी में उन्हें तत्काल सहायता मिल सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप कुमार, उप जिलाधिकारी राकेश सोनी, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी आदि जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

वार्डों में पानी व लाइट की समस्या को लेकर तहसील दिवस में पहुंचे सभासद व प्रतिनिधि, सौंपे शिकायती पत्र

-वार्ड 19 (चन्द्रनगर) में पेयजल संकट के समाधान के लिए सोलर ट्यूबवेल लगाने की मांग उठाई

-वार्ड 1 के सभासद प्रतिनिधि ने बरसात में खराब स्ट्रीट लाइटें बदलने के लिए जिलाधिकारी को दिया पत्र

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। नगर पालिका परिषद उरई के अलग-अलग वार्डों में व्याप्त जनसमस्याओं को लेकर शनिवार को आयोजित तहसील दिवस में जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों के समक्ष अपनी आवाज उठाई। दो अलग-अलग वार्डों की बुनियादी समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की गई है।

पहले मामले में, वार्ड संख्या 19 (चन्द्रनगर) की भाजपा सभासद मनजीत कौर ने वार्ड में गहराए पेयजल संकट का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने पत्र में बताया कि क्षेत्र में पानी की भीषण किल्लत है, जिससे आम जनता का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। इस संबंध में इससे पहले भी 16 मई, 20 जून और 6 जुलाई 2026 को तीन बार प्रार्थना पत्र दिए जा चुके हैं, लेकिन अधिकारियों की उदासीनता के चलते कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने जनहित में जल्द सोलर ट्यूबवेल लगाने की मांग की है। इस दौरान सभासद प्रतिनिधि रंजीत सिंह (राजू सरदार) मौजूद रहे। ?वहीं, दूसरे मामले में वार्ड नंबर 1 के सभासद प्रतिनिधि पंकज कुमार ने अपने क्षेत्र की बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों की समस्या को लेकर दूसरा शिकायती पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने जिलाधिकारी से कहा कि वर्तमान में बरसात का मौसम चल रहा है और वार्ड में लाइटें खराब होने से पूरी कॉलोनी में अंधेरा पसरा रहता है। इससे राहगीरों को निकलने में भारी परेशानी हो रही है और जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा भी बना हुआ है। उन्होंने तत्काल नई स्ट्रीट लाइटें लगवाने की अपील की है। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने दोनों वार्डों के पत्रों का संज्ञान लेते हुए जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया है।

प्रशासनिक बदलाव कोंच के नए एसडीएम बने अभिनव कुमार यादव, उरई-कालपी में भी नई तैनाती

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिले के प्रशासनिक ढांचे में शनिवार को बड़ा बदलाव हुआ है।जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने तीन तहसीलों में नए उप जिलाधिकारियों की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए हैं। जारी आदेश के मुताबिक उत्तम तिवारी को उरई सदर तहसील का नया एसडीएम बनाया गया है। वहीं अभिनव कुमार यादव को कोंच तहसील की कमान सौंपी गई है। इसके साथ ही विनय मौर्य को कालपी तहसील का नया उप जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है।जिलाधिकारी ने तीनों अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने नवीन तैनाती स्थल पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करें और शासन की प्राथमिकताओं के अनुसार राजस्व, कानून-व्यवस्था और विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाएं। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि जिले में लंबित मामलों के निस्तारण और फील्ड में सक्रियता बढ़ाने के उद्देश्य से यह फेरबदल किया गया है। नए एसडीएम के आने से तीनों तहसीलों में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और जनसुनवाई में गति आने की उम्मीद है।नई तैनाती की खबर मिलते ही संबंधित क्षेत्रों में अधिकारियों और कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है।

कृषि भूमि की बुवाई को लेकर विवाद, एसडीएम ने जांच के दिए निर्देश

-जमरेही अव्वल में खेत की जुताई रोकने का आरोप, महिला पुलिस भेजने की मांग

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन)। तहसील क्षेत्र के ग्राम जमरेही अव्वल में कृषि भूमि की बुवाई को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद का मामला सामने आया है। प्रार्थी प्रदीप कुशवाहा ने उपजिलाधिकारी माधौगढ़ को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि उनकी सक्रमणीय भूमि पर विपक्षी पक्ष द्वारा भय दिखाकर तथा कृषि कार्य में बाधा उत्पन्न कर गैर कानूनी हस्तक्षेप किया जा रहा है।

प्रार्थना पत्र के अनुसार प्रदीप कुशवाहा ने बताया कि उनके निजबाबा किशनलाल पुत्र लक्ष्मन पिछले लगभग छह वर्षों से उनके साथ रह रहे हैं और वह उनके उपचार, खानपान तथा देखभाल की व्यवस्था कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परिवारिक विवाद के चलते पूर्व में भूमि का एक भाग विपक्षी पक्ष के नाम दानपत्र कराया गया था, जबकि शेष भूमि उनके पक्ष में दानपत्र के माध्यम से हस्तांतरित की गई, जिस पर उन्हें कब्जा एवं दखल दिया गया। प्रार्थी ने बताया कि उक्त भूमि को बलकट पर शिवराम सिंह पुत्र शेरसिंह निवासी जमरेही अव्वल को ?44 हजार में जुताई के लिए दिया गया था। जब शिवराम सिंह खेत में बुवाई करने पहुंचे तो विपक्षी पक्ष की महिला सदस्य कमलेशी पत्नी अमरसिंह ट्रैक्टर के आगे लेट गईं और कुएं में गिरने का नाटक करने लगीं। स्थिति बिगड़ने पर शिवराम सिंह द्वारा डायल-112 पर सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। प्रार्थी का आरोप है कि पुलिस के समझाने के बावजूद विपक्षी पक्ष द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया और झगड़ा करने का प्रयास किया गया। उन्होंने उपजिलाधिकारी से महिला पुलिस भेजकर कृषि भूमि पर बुवाई कार्य में बाधा डालने वालों को रोकने की मांग की। मामले को गंभीरता से लेते हुए उपजिलाधिकारी माधौगढ़ ने थाना प्रभारी निरीक्षक माधौगढ़ को नियमानुसार मौके की जांच कर कब्जा एवं शांति व्यवस्था संबंधी विवाद की स्थिति में सुसंगत आख्या प्रस्तुत करने तथा हर दशा में शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल पुलिस प्रशासन मामले की जांच में जुट गया है।

नलकूप कर्मचारी के बेटे ने नीट में मारी बाजी, एससी श्रेणी में 2975वीं रैंक

508 अंक हासिल कर मेडिकल कॉलेज में प्रवेश की राह बनाई आसान, परिवार में खुशी का माहौल

(यंग भारत न्यूज)

उरई, जालौन।मेहनत और लगन के दम पर शहर के चुरखी बाईपास बघौरा उरई निवासी अभिनव सिंह गौतम ने नीट-यूजी परीक्षा में सफलता हासिल कर जिले का मान बढ़ाया है। अभिनव ने 508 अंक प्राप्त किए हैं। उन्हें ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 79 हजार और एससी श्रेणी में 2975वीं रैंक मिली है। सफलता की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

अभिनव के पिता गजेंद्र बहादुर नलकूप विभाग उरई में कार्यरत है।माँ अर्चना गौतम ग्रहणी हैं। अभिनव सिंह गौतम की शिक्षा हाईस्कूल वर्ष 2023 और इंटरमीडिएट वर्ष 2025 में एसआर पब्लिक स्कूल से उत्तीर्ण किया। शुरुआत से ही उनका सपना डॉक्टर बनने का था। इसी लक्ष्य को लेकर उन्होंने नियमित पढ़ाई और कठिन परिश्रम जारी रखा, जिसका परिणाम उन्हें नीट जैसी कठिन परीक्षा में सफलता के रूप में मिला। अभिनव ने बताया कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। नियमित अध्ययन, आत्मविश्वास और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उन्हें लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि आगे भी पूरी मेहनत से मेडिकल की पढ़ाई कर एक अच्छे डॉक्टर के रूप में समाज की सेवा करना चाहते हैं। उनकी सफलता पर परिजनों ने मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। शिक्षकों और शुभचिंतकों ने अभिनव को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि जिले के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है। समाज के लोगों ने भी उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि अभिनव आगे चलकर परिवार, समाज और जनपद का नाम रोशन करेंगे।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा, बाउंड्रीवाल तोड़ने और जातिसूचक गालियां देने का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। कोतवाली उरई क्षेत्र के ग्राम बजीदा निवासी तेजराम पुत्र स्व. रामसहाय ने जिलाधिकारी जालौन को शिकायती पत्र देकर ग्राम प्रधान, हल्का लेखपाल तथा कुछ अन्य लोगों पर सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कराने, उनकी बाउंड्रीवाल तोड़ने, मारपीट करने, जातिसूचक गालियां देने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

शिकायती पत्र में तेजराम ने बताया कि गांव की सरकारी भूमि पर कथित रूप से ग्राम प्रधान और हल्का लेखपाल की मिलीभगत से पहले अवैध कब्जा कराया जाता है और बाद में उस पर निर्माण कार्य कराया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके घर के बाहर बनी चारदीवारी (बाउंड्रीवाल) को भी कथित रूप से अवैध तरीके से तुड़वा दिया गया, जिससे वहां बंधे मवेशी निकलकर भाग गए। पीड़ित का आरोप है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो ग्राम प्रधान, लेखपाल और उनके साथ आए लोगों ने उनके साथ मारपीट की तथा सार्वजनिक रूप से जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अपमानित किया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपितों ने उन्हें और उनके परिवार को गांव से निकाल देने तथा मकान तोड़ने की धमकी दी। तेजराम ने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं अनुसूचित जाति/जनजाति (एसटी/एसटी) अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही हुए नुकसान की भरपाई और परिवार की सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी मांग की है।नोट: यह समाचार शिकायतकर्ता द्वारा जिलाधिकारी को दिए गए शिकायती पत्र में लगाए गए आरोपों पर आधारित है। आरोपों की आधिकारिक पुष्टि या प्रशासनिक जांच की रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है।

खेत में काम कर रहे दो भाइयों पर हमला करने पर नामजद आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। तहसील कालपी क्षेत्र के ग्राम उकासा में खेत पर काम कर रहे दो सगे भाइयों पर हमला किए जाने पर दो नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।वादी ओमकार मिश्रा पुत्र नरसिंहनाथ मिश्रा ने थाना आटा में मुकदमा दर्ज कराते बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 9:20 बजे वह अपने भाई कामिद मिश्रा के साथ खेत पर कृषि कार्य कर रहे थे। इसी दौरान गांव के आरोपी सुशील तथा अमन पुत्र वहां पहुंचे। आरोप है कि सुशील के हाथ में कुल्हाड़ी और अमन के हाथ में तमंचा था।दोनों आरोपियों ने आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर सुशील ने कुल्हाड़ी से कामिद मिश्रा के सिर पर वार कर दिया। बचाव में हाथ आगे करने पर वार हाथ पर लगा, जिससे उसकी उंगलियां गंभीर रूप से घायल होकर कट गईं। आरोपियों ने तमंचा लहराते हुए जान से मारने की धमकी दी। दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। थाना आटा पुलिस ने दोनों नामजद आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार युवक की मौत पर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। बीती शाम को कस्बा आटा हाइवे में ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार की मौत के मामले में पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना को लेकर ग्राम आटा निवासी वादी विनोद कुमार अहिरवार पुत्र रामचरण ने थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुते अवगत कराया है कि शुक्रवार शाम करीब 5:50 बजे उनका 30 वर्षीय पुत्र विपिन कुमार साइकिल से आटा की ओर आ रहा था। जैसे ही वह झांसी मार्ग स्थित आटा तिराहा के पास पहुंचा, तभी पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने कथित रूप से लापरवाहीपूर्वक और बिना हॉर्न दिए साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में विपिन कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी साइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।पीड़ित पिता की शिकायत पर थाना आटा पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। तथा विवेचना शुरू कर दी गई है।

न्यायालय के आदेश से लगी पत्थर गड्डी उखाड़ने पर तीन के खिलाफ मुकदमा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। तहसील क्षेत्र के ग्राम लैकूपुर में खेत की हदबंदी एवं पत्थर गड्डी को उखाड़ने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने थाना आटा में तीन आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उक्त मामले को लेकर करमेर निवासी वादी धनीराम पुत्र स्वर्गीय कसिया ने थाना आटा में दी गई तहरीर में बताया कि वह गाटा संख्या 401/1, रकबा 0.482 हेक्टेयर भूमि का काश्तकार है। भूमि के सीमांकन, हदबंदी एवं पत्थर गड्डी के लिए उन्होंने उपजिलाधिकारी न्यायालय में वाद दायर किया था। न्यायालय द्वारा समस्त पक्षों की सुनवाई के बाद 29 जनवरी 2024 को हदबंदी का आदेश पारित किया गया था, जिसके अनुपालन में राजस्व विभाग की ओर से खेत में पत्थर गड्डी कराई गई थी। ग्राम लेकूपुर निवासी आरोपियों श्रीराम तथा सियाराम तथा बलराम ने खेत में लगाए गए सीमांकन के पत्थरों को उखाड़कर फेंक दिया। विरोध करने पर आरोपियों ने जान-माल की धमकी भी दी। पीड़ित की शिकायत पर तीनों आरोपियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है।

जीआरपी ने मानवता की मिसाल पेश कर वृद्ध दिव्यांग महिला को सकुशल परिजनों से मिलाया

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर जीआरपी चौकी इंचार्ज संजना की अगुवाई में पुलिस कर्मियों ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए भोपाल से कुशीनगर एक्सप्रेस से यात्रा कर रही एक वृद्ध दिव्यांग महिला को सुरक्षित उतारकर उनके परिजनों के सुपुर्द किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रेन संख्या 22538 कुशीनगर एक्सप्रेस से 76 वर्षीय समो निशां पत्नी शकूर निवासी नई बस्ती कालपी, भोपाल से कालपी आ रही थीं। वृद्ध एवं दिव्यांग होने के कारण उन्हें ट्रेन से उतरने में कठिनाई हो रही थी। सूचना मिलते ही जीआरपी चौकी इंचार्ज संजना सिंह के साथ पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और व्हीलचेयर की सहायता से महिला को सुरक्षित प्लेटफॉर्म पर उतारा। जीआरपी ने महिला को सकुशल उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इस सराहनीय कार्य में उपनिरीक्षक संजना सिंह तथा पुलिसकर्मी दिनेश कुमार और सुशील सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।जीआरपी के इस मानवीय कार्य की यात्रियों एवं स्थानीय लोगों ने सराहना की।

हाईकोर्ट सख्त, आदेश के पालन के लिए सरकार को 10 दिन का समय

29 जुलाई को अगली सुनवाई, अनुपालन न होने पर अवमानना कार्रवाई की चेतावनी

-डॉ. अरविंद त्रिवेदी को प्राचार्य पद पर कार्य कराने के आदेश, अनुपालन न होने पर अवमानना की चेतावनी

(यंग भारत न्यूज)

उरई राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई, जालौन के प्राचार्य पद से जुड़े मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को पूर्व आदेश का पालन सुनिश्चित करने का अंतिम अवसर दिया है। अदालत ने चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग, लखनऊ की सचिव स्मृति नेहा शर्मा को वर्तमान पदाधिकारी होने के कारण विपक्षी संख्या-4 के रूप में शामिल करने की अनुमति प्रदान की। न्यायालय ने राज्य सरकार के अधिवक्ता को निर्देश दिया कि वे नई जोड़ी गई अधिकारी को मामले तथा अगली सुनवाई की जानकारी उपलब्ध कराएं।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को 10 दिन के भीतर अनुपालन शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है, जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि 4 जून 2026 को पारित न्यायालय के आदेश का पालन किया गया है या नहीं। अदालत ने दोहराया कि पूर्व आदेश के अनुसार डॉ. अरविंद त्रिवेदी को राजकीय मेडिकल कॉलेज, जालौन के प्राचार्य पद पर कार्य करने दिया जाना चाहिए तथा उन्हें नियमित वेतन भी दिया जाए। न्यायालय ने यह भी उल्लेख किया कि उनके विरुद्ध 26 मई 2026 का आदेश पहले ही स्थगित किया जा चुका है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि अगली तिथि तक 4 जून 2026 के आदेश का पूर्ण अनुपालन नहीं किया गया तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अदालत की अवमानना की कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी। इसमें आरोप तय करने के साथ Contempt of Courts Act, 1971 की धारा 12 के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई भी की जा सकती है। मामले की अगली सुनवाई 29 जुलाई 2026 को निर्धारित की गई है। हाईकोर्ट के इस आदेश को डॉ. अरविंद त्रिवेदी के पक्ष में महत्वपूर्ण राहत माना जा रहा है, जिसमें सरकार को आदेश का पालन सुनिश्चित करने का अंतिम अवसर दिया गया है।

महेवा ब्लॉक परिसर में रोजगार सेवकों का धरना शुरू, बीडीओ पर उत्पीड़न और मानदेय भुगतान में लापरवाही के आरोप

(यंग भारत न्यूज)

- विभिन्न मांगों को लेकर ग्राम रोजगार सेवक अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे, प्रधान प्रतिनिधि और ग्रामीणों ने भी दिया समर्थन
- बीडीओ ने सभी आरोपों को निराधार बताया, सूचना पर पहुंची पुलिस ने संभाली स्थिति।

जालौन जनपद की कालपी तहसील क्षेत्र के महेवा विकासखंड परिसर में शनिवार को ग्राम रोजगार सेवकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। धरने पर बैठे रोजगार सेवकों ने खंड विकास अधिकारी अरुण कुमार सिंह (बीडीओ) पर उत्पीड़न, अनुचित व्यवहार तथा मानदेय का समय पर भुगतान न किए जाने जैसे गंभीर आरोप लगाए। प्रदर्शन के दौरान रोजगार सेवकों ने ब्लॉक परिसर में जमकर नारेबाजी की और अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की।

धरने का नेतृत्व कर रहे ग्राम रोजगार सेवक उमेश कुशवाहा और दलबीर सिंह सहित दर्जनों रोजगार सेवकों ने आरोप लगाया कि लंबे समय से उनके साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समय पर मानदेय का भुगतान नहीं किया जाता, जिससे आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही विभागीय अधिकारियों द्वारा अनावश्यक दबाव बनाए जाने का भी आरोप लगाया। धरना-प्रदर्शन को क्षेत्र के प्रधान प्रतिनिधियों और ग्रामीणों का भी समर्थन मिला। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। धरने की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और ब्लॉक परिसर में सुरक्षा व्यवस्था संभालते हुए स्थिति पर नजर बनाए रखी। पुलिस ने प्रदर्शन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं कीं। वहीं, खंड विकास अधिकारी ने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को पूरी तरह निराधार और बेबुनियाद बताया। उनका कहना है कि सभी कार्य शासन के नियमों के अनुरूप किए जा रहे हैं तथा मानदेय भुगतान सहित अन्य प्रक्रियाएं निर्धारित व्यवस्था के अनुसार संचालित होती हैं। उन्होंने कहा कि लगाए गए आरोप तथ्यहीन हैं। फिलहाल रोजगार सेवकों का धरना जारी है और प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

उरई में संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीले पदार्थ के सेवन से 40 वर्षीय युवक की मौत

(यंग भारत न्यूज)

उरई । शहर कोतवाली क्षेत्र के गोपालगंज बंबी रोड निवासी 40 वर्षीय मनोज रायकवार की शनिवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीले पदार्थ का सेवन करने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

परिजनों के अनुसार मनोज रायकवार ने किन्हीं अज्ञात परिस्थितियों में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। कुछ ही देर बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी, जिस पर परिजन उन्हें तत्काल राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। मृतक अपने पीछे एक बेटी बिट्टू तथा दो बेटों को छोड़ गए हैं। उनकी असमय मृत्यु से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। घटना की सूचना पर उरई कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला जहरीले पदार्थ के सेवन से मौत का प्रतीत हो रहा है, लेकिन जहरीला पदार्थ किन परिस्थितियों में और किस कारण से सेवन किया गया, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा जांच पूरी होने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार युवक की मौत पर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। बीती शाम को कस्बा आटा हाइवे में ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार की मौत के मामले में पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना को लेकर ग्राम आटा निवासी वादी विनोद कुमार अहिरवार पुत्र रामचरण ने थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुते अवगत कराया है कि शुक्रवार शाम करीब 5:50 बजे उनका 30 वर्षीय पुत्र विपिन कुमार साइकिल से आटा की ओर आ रहा था। जैसे ही वह झांसी मार्ग स्थित आटा तिराहा के पास पहुंचा, तभी पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने कथित रूप से लापरवाहीपूर्वक और बिना हॉर्न दिए साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में विपिन कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी साइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पीड़ित पिता की शिकायत पर थाना आटा पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

नवांगतुक एसडीएम विनय ने पदभार संभाल कर गिनाई प्राथमिकतायें

-कुमार संजय बने उपजिलाधिकारी (न्यायिक)

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। जनपद में हुए प्रशासनिक फेरबदल के तहत जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कालपी तहसील में नए उपजिलाधिकारी (एसडीएम) के रूप में पीसीएस अधिकारी विनय कुमार मौर्य की तैनाती की है।

जिलाधिकारी के आदेश का अनुपालन करते हुए नव नियुक्त उपजिलाधिकारी विनय कुमार ने शनिवार को कालपी तहसील पहुंचकर अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार संभालने के बाद पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना, राजस्व संबंधी मामलों का समयबद्ध निस्तारण तथा आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान उनकी प्रमुख प्राथमिकताएं रहेंगी। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने और जनता को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराने का आह्वान किया। नवांगतुक एसडीएम विनय ने पदभार संभाल कर गिनाई प्राथमिकतायें जौनपुर जनपद के मूल निवासी वर्ष 2022 के पीसीएस अफसर जालौन, माधौगढ़ तहसील व कौशाम्बी के एसडीएम रहकर कर कुशलतापूर्वक दायित्वों का निर्वाह कर चुके हैं। शनिवार को नवांगतुक एसडीएम ने विभागीय अधिकारियों, राजस्व कर्मचारियों, लेखपालों से परिचयात्मक मुलाकात कर शासन की प्राथमिकताओं को बतलाया है।

माधौगण कोतवाली का अकड़ू दरोगा फरियादीयों को तब तब बकता है गालियां, जब तक उसे चढावा नहीं मिल जाता

आम जनता बद जुबान दरोगा से है बुरी तरह परेशान

(यंग भारत न्यूज)

माधौगण जालौन, माधौगण कोतवाली में तैनात उप निरीक्षक संतोष यादव के द्वारा जिस तरीके से आम जनमानस के साथ व्यवहार किया जा रहा है उससे आम जनमानस का सरकार के प्रति असंतोष बढ़ता जा रहा है जिसके स्वर सुनाई देने लगे गुप्त सूत्रों के द्वारा जानकारी मिली है कि उप निरीक्षक संतोष यादव के द्वारा राजस्व से लेकर हर विभाग के ठेका लिया जाता है और उनके द्वारा अश्वासन दिया जाता है कि जो हमारे हल्का क्षेत्र में आएगा उसका मालिक में हूं और जो हम करेंगे वही होगा चाहे आप जिलाधिकारी के पास चले जाएं चाहे पुलिस अधीक्षक के पास जांच तो हमारे ही पास आएगी हम जो लिखेंगे वही होगा आम जनमानस ने दबी जुबान से यह भी बताया कि अगर किसी मामले की कोई भी जानकारी मिल गई तो समझो कि जब तक उसमें अपना सुवधा शुल्क वसूल नहीं लेते हैं तब तक उससे संबंधित आम जनमानस को चैन से रहने नहीं देते बराबर उसे जेल भेजने की धमकियां देते हैं जबकि विधानसभा के चुनाव नजदीक हैं अगर पुलिस विभाग द्वारा इस तरीके का आम जनमानस के साथ व्यवहार किया जाएगा तो इसका चुनाव पर क्या असर पड़ेगा यह तो बहुत सोचनी बात है अगर कोई पुलिस के खिलाफ खबर चलता है तो उस पत्रकार को जेल भेजने की धमकियां मिलने लगती हैं जिससे कोई पुलिस के खिलाफ खबर छापने का साहस नहीं करता है इसमें संबंधित उच्च अधिकारियों द्वारा इसकी जांच कराई जाए जिससे कि आम जनमानस के ऊपर पुलिस का जो भय व्याप्त है उसको कम किया

पॉलीटेक्निक काउंसलिंग का तीसरा चरण 21 जुलाई से, सहायता केंद्रों पर होगा दस्तावेज सत्यापन

उरई और माधौगढ़ राजकीय पॉलीटेक्निक बने सहायता केंद्र, सीट स्वीकार शुल्क जमा करना अनिवार्य

(यंग भारत न्यूज)

उरई। प्रदेश के समस्त पॉलिटेक्निक संस्थानों में समस्त ग्रुप की (फार्मेसी छोड़कर) संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद (पॉलिटेक्निक)-2026 की चल रही काउंसलिंग का तृतीय चरण दिनांक 21-07-2026 से प्रारंभ हो रहा है। जनपद जालौन के सहायता केन्द्र राजकीय पॉलीटेक्निक उरई व राजकीय पॉलीटेक्निक माधौगढ़ बनाए गए हैं। जनपद जालौन काउन्सिलिंग प्रभारी राघवेन्द्र सिंह ने अवगत कराया है कि काउन्सिलिंग में प्रतिभाग करने हेतु अभ्यर्थी को सर्व प्रथम अपने लॉगिन आईडी पासवर्ड के द्वारा पोर्टल https.//jeecup.admissions.nic.in पर लॉगिन करते हुए प्रवेश हेतु विगत वर्ष- 2025 की ओपनिंग और क्लोजिंग रैंक का अध्ययन कर चयनित संस्था/पाठ्यक्रम के विकल्पों को अधिकाधिक संख्या में पोर्टल पर प्रविष्ट करना उचित होगा। राजकीय पॉलीटेक्निक उरई में 201 सीट के सापेक्ष 161 सीट आवंटित हो चुकी हैं तथा राजकीय पॉलीटेक्निक माधौगढ़ में 246 सीट के सापेक्ष 172 सीट पर अभ्यर्थियों ने शुल्क जमा कर दिया है। डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन प्रवक्ता गौसुद्दीन, विनय कुमार, करिश्मा गुप्ता सतीश कुमार, प्रकाश गुप्ता व मनोज अहिरवार द्वारा जनपद के सहायता केन्द्र पर प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे तक निर्धारित तिथियों में किया जा रहा है। फ्लॉट/फ्रिज का विकल्प चयन करने की दशा में अभ्यर्थी को निर्धारित सीट एक्सेप्टेंस शुल्क एवं काउन्सिलिंग शुल्क कुल 3250/- पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जमा करना होगा। डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन के समय अभ्यर्थी अपने समस्त मूल प्रमाण पत्र, दो सैट छायाप्रतियों के साथ, दो नवीनतम फोटोग्राफ, दो फाइल कवर के साथ सहायता केन्द्र पर उपस्थित हों, अभ्यर्थी भलीभांति जांच कर लें कि उन्होंने जिस श्रेणी में आवेदन किया है उसका प्रमाण पत्र डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन के समय होना अनिवार्य है। सीट आवंटन के पश्चात सीट एक्सेप्टेंस शुल्क एवं काउन्सिलिंग शुल्क न जमा करने वाले अभ्यर्थी अथवा अभिलेख सत्यापन न करवाने वाले अभ्यर्थियों को आवंटित सीट, निरस्त हो जाएगी। ऐसे अभ्यर्थी काउन्सिलिंग के अगले चरण के लिए पात्र नहीं होंगे। परन्तु ऐसे सभी अभ्यर्थी चतुर्थ चरण से पुनः काउन्सिलिंग में प्रतिभाग कर सकते हैं। अभ्यर्थी काउन्सिलिंग से संबंधित किसी भी समस्या के लिए किसी भी कार्य दिवस में राजकीय पॉलीटेक्निक उरई व राजकीय पॉलीटेक्निक माधौगढ़ में संपर्क कर सकते हैं।

समाधान दिवस का हुआ आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ (जालौन) तहसील माधौगढ के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन राजीवराज अपरजिलाधिकारी फाईनेंस की अध्यक्षता एवं नवांगंतुक उपजिलाधिकारी मनोज प्रकाश पुलिस क्षेत्राधिकारी अंबुज कुमार यादव प्रभारी तहसीलदार भुवनेन्द्र कुमार की मौजूदगी में किया गया शिकायतकर्ता शिवम जगम्मनपुर ने सडक और नाला निर्माण काम कराने की गुहार लगाई है पुनीत कुमार जगम्मनपुर ने प्लाट से अवैध कब्जा हटवाने की मांग की है पुष्पा सरावन ने खेत पर अवैध कब्जा करने का आरोप विपक्षियों पर जडा है मुन्नी धूता ने आधार कार्ड के अनुसार खतौनी में नाम दर्ज कराने की बात कही है पुष्पावेन कुशवाहा सरावन ने गेल इंडिया लिमिटेड पर भुगतान धनराधि न देने का आरोप जडा है श्यामशरण डिकौली जागीर ने अवैध कब्जा करने की शिकायत दर्ज कराई तिलक सिंह असहना ने शौचालय निर्माण काम हेतु स्वीकृत धनराशि की मांग की है सुंदरलाल उपाध्याय जाजेपुरा ने मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने का अनुरोध किया है कुल मिलाकर तीस शिकायतें दर्ज कराईं गयी मौके पर तीन शिकायतों निस्तारण किया गया नवांगंतुक उपजिलाधिकारी ने अधीनस्थों के पेंच कहते हुए स्पष्ट रूप निर्देश दिए है कि समस्याओं के समाधान में किसी की भी कोई भी कोताही किसी भी सूरत में क्षम्य नहीं होगी समस्याओं के समाधान में आवेदक से बात हर हाल में करेगा आवेदक को संतुष्ट किया जाए यदि किसी तरह से संतुष्टि नहीं है तो बाजिब कारण होना आवश्यक है रिपोर्टिंग अच्छी होनी चाहिए इस मौके पर नायब तहसीलदार अंकित दीक्षित एडीओ मनोज कुमार मंसूर खान सदर लेखपाल राहुल कुमार नबाव सिंह शिवम शांडिल्य मनीष आर्या दीपक वर्मा अजीत यादव समेत अन्य विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी रही है

खेत में काम कर रहे दो भाइयों पर हमला करने पर नामजद आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। तहसील कालपी क्षेत्र के ग्राम उकासा में खेत पर काम कर रहे दो सगे भाइयों पर हमला किए जाने पर दो नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

वादी ओमकार मिश्रा पुत्र नरसिंहनाथ मिश्रा ने थाना आटा में मुकदमा दर्ज कराते बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 9:20 बजे वह अपने भाई कामिद मिश्रा के साथ खेत पर कृषि कार्य कर रहे थे। इसी दौरान गांव के आरोपी सुशील तथा अमन पुत्र वहां पहुंचे। आरोप है कि सुशील के हाथ में कुल्हाड़ी और अमन के हाथ में तमंचा था।दोनों आरोपियों ने आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर सुशील ने कुल्हाड़ी से कामिद मिश्रा के सिर पर वार कर दिया। बचाव में हाथ आगे करने पर वार हाथ पर लगा, जिससे उसकी उंगलियां गंभीर रूप से घायल होकर कट गईं। आरोपियों ने तमंचा लहराते हुए जान से मारने की धमकी दी। दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। थाना आटा पुलिस ने दोनों नामजद आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

समाधान दिवस में फरियादियों की 32 शिकायतें प्रस्तुत,5 का मौके पर निस्तारण

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई ।सोमवार को तहसीलदार अभिनव तिवारी की अध्यक्षता में तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर फरियादियों के द्वारा 32 शिकायते प्रस्तुत की गई। जिसमें सबसे अधिक राजस्व की 11 तथा पुलिस विभाग के 09 मामले शामिल हैं। मौके पर 05 शिकायतों का निस्तारण किया गया।

तहसील सभाकक्ष मे आयोजित समाधान दिवस में तहसीलदार अभिनव तिवारी तथा नायब तहसीलदार मुकेश कुमार, चंद्र मोहन शुक्ला, प्रिया सिंह राजपूत के समक्ष सुरेश सिंह निवासी ग्राम सिमहारा कासिमपुर ने चकरोड पर विपक्षियों के द्वारा कब्जा किए जाने की शिकायत की है।, लक्ष्मण सिंह ग्राम मुसमरिया ने शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया है प्रार्थी की बोई गई फसल को विपक्षी काटने का प्रयास कर रहे है। रामसेवक निवासी ग्राम भगौरा ने शिकायत की है कि विपक्षियों के द्वारा प्रार्थी की जमीन पर नाजायज कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। पूनम पत्नी मोहन निवासी ग्राम कटपुरवा ने पात्रता के आधार पर मुख्यमंत्री आवास दिलाने की मांग की। ग्राम मैनूपुर की प्रधान सुमन ने अन्ना गौवंशों को पकड़वाकर किसी अन्य गौशाला में स्थानांतरित करने की मांग की है। चंद्रपाल निवासी ग्राम चंदरशी ने चकरोड की जमीन की पैमाइश करने की मांग की है। तहसीलदार ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि शासन की नई गाइडलाइन के अनुरूप सभी शिकायतों का मौके पर जाकर के गुणवत्ता पूर्वक समाधान कराया जाए। राजस्व निरीक्षक हरेंद्र सिंह सेंगर, सुरेश कुमार, नगर पालिका परिषद के अवर अभियंता प्रवीण कुमार मौर्य, विधुत विभाग के उपखंड अधिकारी धर्मेंद्र सिंह सचान, जल संस्थान के अवर अभियंता वासित अली, वन विभाग ,प्रेम कुमार पाण्डेय, हर्ष सोनी, स्टैनो सलीम खान, तहसील के प्रशासनिक अधिकारी धीरज पुरवार, कालपी कोतवाली कालपी के एडिशनल इंस्पेक्टर अवनीश कुमार के अलावा कदौरा, आटा तथा चुरखी के थानेदारों के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

307 सहित गंभीर धाराओं के मुकदमे में योगेन्द्र उर्फ रोबिन राजपूत को हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत

(यंग भारत न्यूज)

उरई। कोतवाली उरई में दर्ज मारपीट, फायरिंग और हत्या के प्रयास (धारा 307) जैसे गंभीर आरोपों वाले मुकदमे में बम्हौरी निवासी योगेन्द्र उर्फ रोबिन राजपूत को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी कानूनी राहत मिली है। माननीय इलाहाबाद हाईकोर्ट की एकलपीठ ने अग्रिम जमानत आवेदन संख्या 4083/2026 पर सुनवाई करते हुए याचिका स्वीकार कर उन्हें अग्रिम जमानत प्रदान कर दी।

अभियोजन के अनुसार, 16 जनवरी 2026 को शाम करीब 8 बजे उरई स्थित इंडियन पेट्रोल पंप के पास शताब्दी ट्रैवल्स के समीप मारपीट, फायरिंग और जानलेवा हमले की घटना हुई थी। इस मामले में कोतवाली उरई में योगेन्द्र उर्फ रोबिन राजपूत सहित अन्य नामजद एवं अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध विभिन्न गंभीर धाराओं, जिनमें हत्या के प्रयास की धारा 307 भी शामिल है, के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता तनीषा जहांगीर मुनीर व अधिवक्ता शिवांगी चतुर्वेदी, हिमांशु कुमार एवं अनुपम कुमार शुक्ला ने प्रभावी ढंग से पक्ष रखा। बचाव पक्ष ने न्यायालय के समक्ष विभिन्न कानूनी तथ्यों एवं परिस्थितियों को प्रस्तुत किया, जिस पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद माननीय न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह ने याचिकाकर्ता को अग्रिम जमानत का लाभ प्रदान किया। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद योगेन्द्र उर्फ रोबिन राजपूत को मामले में महत्वपूर्ण कानूनी राहत मिल गई है।

आईटी इंजीनियर ने किया सुसाइड, चिता जलने से पहले प्रेमी से शादी, मंगलसूत्र पहनने की ख्वाहिश थी, उसी के गांव में अंतिम संस्कार

(यंग भारत न्यूज)

आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले से संबंध रखने वाली सॉफ्टवेयर इंजीनियर अड्डागल्ला कीर्ति ने कथित तौर पर रिलेशनशिप टूटने के बाद मुंबई में आत्महत्या कर ली. वह बॉयफ्रेंड साई सुमंत के साथ पिछले आठ साल रिलेशनशिप में थी.कीर्ति को जब पता चला कि उसका किसी और के साथ शादी करने वाला है, तो उसने अपनी ही जिंदगी खत्म करने का फैसला ले लिया. अब लड़की के परिजन प्रकाशम जिले में स्थित साई सुमंत के घर के बाहर जमा हो गए हैं.

प्रकाशम के टंगुटुरु मंडल में स्थित पोंडुरु गांव में गुरुवार को भारी तनाव फैल गया, जब कीर्ति के परिवार वाले शव लेकर उसके बॉयफ्रेंड साई सुमंत के घर पहुंच गए. परिवार वालों ने सुमंत के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया. इसके साथ ही उन्होंने मांग किया कि अंतिम संस्कार से पहले कीर्ति के गले में सुमंत मंगलसूत्र पहनाए. गुंटूर जिले की रहने वाली 26 साल की सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल कीर्ति, प्रकाशम जिले के पोंडुरु गांव के साई सुमंत के साथ पिछले आठ सालों से रिलेशनशिप में थीं. जब साई के परिवार ने उसकी शादी किसी और से तय कर दी, तो वह बहुत परेशान हो गई. इसके बाद, कीर्ति ने 14 जुलाई को मुंबई में अपने पीजी अकोमोडेशन में आत्महत्या कर ली. गुंटूर जिले के प्रतिपाडु मंडल के कोंद्रुपाडु गांव की रहने वाली कीर्ति, सोशल मीडिया पर हुई मुलाकात के बाद सुमंत के साथ रिलेशनशिप में आई थी. लड़की के परिवार ने बताया कि मरने से पहले लिखे एक पत्र में कीर्ति ने अपनी आखिरी इच्छा जाहिर की है कि उसके शव का अंतिम संस्कार बॉयफ्रेंड साई सुमंत के पैतृक गांव में किया जाए. परिवार के मुताबिक, कीर्ति आखिरी इच्छा थी कि अंतिम संस्कार बॉयफ्रेंड के गांव में हो और शव के साथ मंगलसूत्र बांधा जाए. 16 जुलाई को मुंबई में पोस्टमार्टम पूरा होने के बाद, लड़की का परिवार शव को प्रकाशम जिले के पोंडुरु में उसके बॉयफ्रेंड के घर ले गया और वहां विरोध प्रदर्शन किया.इसके बाद साई सुमंत का परिवार घर पर ताला लगाकर चला गया, तो लोगों ने ताले तोड़ दिए और विरोध-प्रदर्शन जारी रखा. मामले की जानकारी मिलने पर टंगुटुरु पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू में किया. इसके बाद, स्थानीय लोगों के सहयोग और पुलिस की मौजूदगी में कीर्ति का अंतिम संस्कार किया गया. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, टंगुटुरु के एसआई फणी भूषण ने बताया, 'कीर्ति और साई के परिवार वालों के बीच हाथापाई हो गई, क्योंकि साई कतर में हार्डवेयर इंजीनियर है और अपने घर पर मौजूद नहीं था. कीर्ति के परिवार वालों ने उसके शव के साथ घर के सामने धरना दिया. इस दौरान यह भी मांग की गई कि साई वापस आए और शादी करे. जब साई के परिवार वाले पोंडुरु में ही उसका अंतिम संस्कार करने देने पर सहमत हो गए, तब कीर्ति के परिवार वालों ने गांव में उसका अंतिम संस्कार किया.'

शादी की रात खूबसूरत समधन टकरा गई दुल्हन के पिता से, संबंध बनाने के बाद कर डाला ऐसा कांड और फिर .

(यंग भारत न्यूज)

प्यार में लोग क्या-क्या नहीं कर बैठते हैं, जिसका खामियाजा या गलती उन्हें आगे चलकर भुगतनी पड़ती है. कहा जाता है कि प्यार में कोई उम्र नहीं देखता है इश्क किसी से भी हो जाता है

ऐसा ही एक मामला उत्तर प्रदेश के कौशांबी से सामने आया है, जहां कोखराज कोतवाली क्षेत्र के संगेती गांव में एक 7 बच्चों की मां अपने समधी के साथ फरार हो गई. पति का आरोप है कि उसका समधी फोन पर उसे गाली-गलौज देने के साथ ही मारने की धमकी भी दे रहा था. मामला काफी उलझा देने वाला है. बीवी घर छोड़कर फरार हो गई, जिसके बाद पीड़ित पति ने अपने समधी को फोन लगाया. सामने सेऐसा जवाब आता है, जिसे सुनकर उसके होश उड़ गए. समधी ने पति इंद्रजीत से कहा कि अब वह पत्नी की तरह मेरे साथ रहती है. मिली जानकारी के मुताबिक इंद्रजीत 13 जुलाई को दोपहर करीब 2 बजे घर पहुंचता है और देखता है कि उसकी पत्नी घर से गायब है. उसने आसपास भी काफी पूछताछ की, जिसके बाद उसे अपने समधी राकेश पर शक हुआ. उसका समधी जो मंझनपुर कोतवाली इलाके का रहने वाला है. दोनों परिवारों के बीच की रिश्तेदारी में दरार आ गई. हालांकि, इंद्रजीत का शक सही निकला और बाद में यह पता लग गया कि उसकी पत्नी समधी के साथ फरार हो गई है. इंद्रजीत द्वारा अपने समधी राकेश को फोन लगाने पर राकेश ने बिना कुछ सोचे-समझे गाली देना शुरु कर दिया. केवल इतना ही नहीं बल्कि, उसे जान से मार देने की धमकी भी देने लगा था और बोला जो करना है कर ले. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इंद्रजीत ने कोखराज थाने में तहरीर दी, जिसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की है. अब महिला के मिलने के बाद उसका बयान दर्ज किया जाएगा. अब इंद्रजीत के सामने परिवार चलाने की जिम्मेदारी आ गई है.

7 फेरे के बाद दुल्हन ने दिया धोखा; गाजियाबाद से आया दूल्हा गया में करता रह गया इंतजार

(यंग भारत न्यूज)

मानपुर (गया)। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गांधी मुहल्ले में शादी के नाम पर ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के खोड़ा कॉलोनी निवासी रविंद्र कुमार की शादी हिंदू रीति-रिवाज से संपन्न हुई, लेकिन सात फेरे और सिंदूरदान के 6 घंटे बाद दुल्हन फरार हो गई।

अपने साथ लाखों रुपये की नकदी और सोने-चांदी के जेवर ले गई। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने मुफस्सिल थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। रविंद्र कुमार ने बताया कि अलीगढ़ के एक व्यक्ति के माध्यम से उनकी पहचान शकील से हुई थी। उसने उन्हें गया बुलाकर युवती और उसके परिवार से मुलाकात कराई। शादी तय होने के बाद दुल्हन ने दूल्हे के खर्च पर करीब 10 हजार रुपये की खरीदारी की तथा मेकअप के नाम पर भी चार हजार रुपये ले लिए। इसके बाद गांधी मुहल्ले में पूरे विधि-विधान से विवाह कराया गया। रविंद्र के अनुसार, शादी के दौरान उन्होंने दुल्हन को सोने का मंगलसूत्र, झुमके, चांदी की पायल और बिछिया पहनाई। विदाई से पहले शकील ने पहचान पत्र की फोटोकॉपी कराने का बहाना बनाया।इसके बाद दुल्हन को बाइक पर बैठाकर चला गया। काफी देर तक दोनों के वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की, लेकिन दोनों के मोबाइल फोन भी बंद मिले।इसके बाद ठगी का अहसास होने पर पीड़ित पक्ष सीधे मुफस्सिल थाना पहुंचा। पीड़ितों का आरोप है कि एजेंट पहले ही एक लाख रुपये नकद ले चुका था।वहीं, शादी के दौरान बनाए गए वीडियो और मोबाइल से खींचे गए फोटो भी दुल्हन पक्ष ने डिलीट करा दिए, जिससे पहचान संबंधी साक्ष्य कम हो गए।मामले की गंभीरता को देखते हुए मुफस्सिल थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दुल्हन की कथित बड़ी बहन और एक बिचौलिये को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।हालांकि मुख्य आरोपी दुल्हन और एजेंट शकील अब भी फरार हैं। पुलिस को आशंका है कि यह शादी के नाम पर ठगी करने वाला संगठित गिरोह हो सकता है, जो अलग-अलग पहचान बनाकर लोगों को अपना शिकार बनाता है।मुफस्सिल थानाध्यक्ष देवराज इंद्र ने बताया कि मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। पुलिस का दावा है कि जल्द ही पूरे गिरोह का पर्दाफाश कर फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं, कर्ज लेकर शादी करने वाले पीड़ित परिवार ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और लूटी गई रकम व जेवर बरामद कराने की मांग की है।

यूपी में महिलाओं को खुशखबरी, 12वीं पास के लिए सीधी भर्ती

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रही महिलाओं के लिए अच्छी खबर है। गाजियाबाद जिले के जिला कार्यक्रम अधिकारी (बाल विकास) कार्यालय ने आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री और आंगनवाड़ी सहायिका के कुल 508 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं।

इस भर्ती में योग्य महिला अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं।

इतने पदों पर होगी भर्ती

भर्ती अभियान के तहत कुल 508 रिक्त पद भरे जाएंगे, जिनमें:

आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री -167 पद

आंगनवाड़ी सहायिका -341 पद

आवेदन की महत्वपूर्ण तिथियां

ऑनलाइन आवेदन शुरू: 17 जुलाई 2026

आवेदन की अंतिम तिथि: 7 अगस्त 2026

कौन कर सकता है आवेदन ?

इस भर्ती में केवल महिला अभ्यर्थी आवेदन करने की पात्र हैं। अभ्यर्थी का संबंधित पात्रता मानदंड पूरा करना आवश्यक होगा।

शैक्षणिक योग्यता

आंगनवाड़ी भर्ती के लिए आवेदन करने वाली उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं (इंटरमीडिएट) उत्तीर्ण होने का प्रमाणपत्र होना चाहिए। विस्तृत पात्रता और अन्य शर्तों की जानकारी आधिकारिक भर्ती नोटिफिकेशन में देखी जा सकती है।

7 साल पहले मां, फिर पिता की मौत. अब अनाथ मासूम को जिंदा चबा गया मगरमच्छ, जिस चादर में थी लाश, उससे लिपटकर रोईं बहनें

(यंग भारत न्यूज)

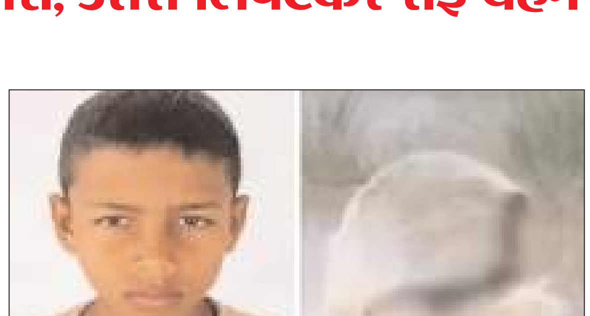

बहराइच। प्रदेश के बहराइच जिले के टिकुरी गांव से एक ऐसी दुखद और खौफनाक खबर सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है. यहां घाघरा नदी में अचानक आए एक खूंखार मगरमच्छ ने 12 वर्षीय मासूम सुनील को अपना शिकार बना लिया.

उसे बचाने के लिए मगरमच्छ से 8 मिनट तक जिंदगी और मौत की जंग लड़ी, लेकिन वे अपने भतीजे को बचा नहीं सके. इस पूरी घटना और उसके बाद परिवार के विलाप का भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.शुक्रवार दोपहर को जब मासूम सुनील का क्षत-विक्षत शव पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचा, तो उसके चाचा विजय राज सिंह का रो-रोकर बुरा हाल था. उन्होंने भर्राई आवाज में उस खौफनाक मंजर की कहानी बयां की. गुरुवार देर शाम सुनील अपने चाचा विजय राज सिंह और उदय राज सिंह के साथ खेत में धान की रोपाई करने के बाद घर लौट रहा था. रास्ते में हाथ-पैर धोने के लिए सुनील जैसे ही घाघरा नदी के पानी के पास पहुंचा, तभी पानी के भीतर घात लगाए बैठे मगरमच्छ ने चुपके से आकर उसे दबोच लिया. सुनील की चीख सुनते ही उसके चाचा विजय राज ने अपनी जान की परवाह किए बिना नदी में छलांग लगा दी. उन्होंने करीब 7 से 8 मिनट तक मगरमच्छ के जबड़े से सुनील को खींचने की पूरी कोशिश की, लेकिन जानवर की ताकत के आगे वे बेबस हो गए. मगरमच्छ बच्चे को गहरे पानी में ले गया और वहां 3 से 4 बार हवा में उछालकर पटका. विजय राज ने रोते हुए बताया कि मगरमच्छ ने उनके देखते ही देखते बच्चे के आधे शरीर को अपना निवाला बना डाला. घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया. ग्रामीण अरविंद श्रीवास्तव के मुताबिक, मगरमच्छ बीच-बीच में बच्चे को मुंह में दबाकर पानी के ऊपर आता और फिर नीचे चला जाता. ग्रामीणों ने हिम्मत जुटाकर बड़े-बड़े बांस के डंडों की मदद से नदी में तलाश शुरू की. इस बीच स्थानीय पुलिस, वन विभाग और एनडीआरएफ की टीमें भी मौके पर पहुंच गईं. करीब 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद, घटनास्थल से लगभग 300 मीटर की दूरी पर सुनील का क्षत-विक्षत शव पानी में उतराता हुआ मिला. ग्रामीणों ने जाल डालकर शव को बाहर निकाला, जिसे शुक्रवार सुबह पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा. शाम को गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया. इस हादसे ने एक हंसते-खेलते अनाथ परिवार को पूरी तरह उजाड़ दिया है. सुनील के पिता बुधराज की 5 साल पहले और मां की 7 साल पहले बीमारी के कारण मौत हो चुकी थी. चार भाई-बहनों में सुनील दूसरे नंबर पर था और अपने चाचा के साथ रहकर परिवार का सहारा बन रहा था. जैसे ही लाश घर लाई गई, बहनें फूट-फूट कर रोने लगीं. वो उस चादर को बार-बार सहला रही थीं, जिसमें सुनील की लाश को लपेटकर लाया गया था. मासूम बहनों का अपने भाई की आखिरी निशानी (चादर) से लिपटकर रोने का यह दृश्य देखकर वहां मौजूद हर एक व्यक्ति के आंसू छलक पड़े. अब घर में सुमन और सीमा के अलावा छोटा भाई संजय (10) ही बचे हैं.

पति को लेकर पहले पहुंची मंदिर, फिर बेटी के सामने ही प्रेमी से करवाया कत्ल; सिया से भी आगे निकली हंसिनी

(यंग भारत न्यूज)

आंध्र प्रदेश के चित्तूर ज़िले में, एक 19 साल की औरत ने अपने पति को मंदिर ले जाने का नाटक किया और फिर अपने प्रेमी के साथ मिलकर बेरहमी से उसकी हत्या कर दी. औरत ने अपने पति को मंदिर में यह कहकर फुसलाया कि उसे अपने बच्चे के लिए भगवान का आशीर्वाद लेना है.

पति को पता नहीं था कि उसकी पत्नी ने मंदिर में उसकी हत्या की साज़िश पहले ही रच ली थी. मरने वाला, 23 साल का रमेश, तमिलनाडु का रहने वाला था, होसुर में एक प्राइवेट कंपनी में काम करता था. उसकी शादी हसिनी से दो साल पहले हुई थी, और उनकी एक छोटी बेटी थी. पुलिस अब स्थानीय गांववालों की रिपोर्ट की जांच कर रही है, जिनका दावा है कि दो साल पहले जब हसिनी ने रमेश से शादी की थी, तब वह नाबालिग थी. इससे चल रही कानूनी कार्रवाई में बाल विवाह के उल्लंघन का एक नया मामला जुड़ सकता है. हालांकि रिश्तेदारों को लगता था कि उनकी पारिवारिक ज़िंदगी नॉर्मल है, लेकिन पुलिस जांच में पता चला कि हसिनी अपने बचपन के दोस्त, 20 साल के युगंधर के साथ चुपके से रिलेशनशिप में थी. दोनों ने मिलकर रमेश को हमेशा के लिए खत्म करने का प्लान बनाया. परिवार की तीर्थ यात्रा के बहाने, हसिनी ने रमेश को उसे और उनकी छोटी बेटी को मल्लप्पा कोंडा हिल्स में श्री मल्लेश्वर स्वामी मंदिर ले जाने के लिए मना लिया. जब रमेश अपनी मोटरसाइकिल पर घुमावदार सड़कों पर जा रहा था, हसिनी ने चुपके से अपने मोबाइल फ़ोन से युगंधर को उनकी रियल-टाइम लोकेशन भेज दी. इस ट्रैकिंग का इस्तेमाल करके, युगंधर और उसके साथी रमेश की बाइक से ठीक आगे चल रहे थे. पहाड़ी सड़क पर तीसरे हेयरपिन मोड़ के पास एक जाल बिछाया गया था. अपने पति को रोकने के लिए, हसिनी ने कथित तौर पर अपना हैंडबैग सड़क पर फेंक दिया. जब रमेश उसे उठाने के लिए कार से बाहर निकला, तो युगंधर और उसके साथी अंधेरे से बाहर आ गए. रमेश ने भागने की कोशिश की और पास के जंगल में लगभग 100 मीटर भाग गया, लेकिन हमलावरों ने उसका पीछा किया और उसे धारदार हथियारों से मार डाला. चौंकाने वाली और दुखद बात यह है कि यह मर्डर तब हुआ जब कपल की छोटी बेटी पास में ही थी. यह क्राइम उस रात बाद में सामने आया जब हसिनी की माँ को चिंता हुई कि वह वापस नहीं आई है और उन्होंने लोकल पुलिस से संपर्क किया. जांच करने वालों को मंदिर के रास्ते में लगे फुटेज की जांच करने पर एक चौंकाने वाली गड़बड़ी मिली. रमेश अपने परिवार के साथ मंदिर जाते हुए दिख रहा था, जबकि बाद के फुटेज में हसिनी अपने पति को छोड़कर दो और आदमियों के साथ अपनी मोटरसाइकिल पर जाती हुई दिखी. टेक्निकल एनालिसिस, मोबाइल फोन रिकॉर्ड और जीपीएस लोकेशन ट्रैकिंग का इस्तेमाल करके, पुलिस ने जंगल से रमेश की बॉडी बरामद की. इसके तुरंत बाद, हसिनी, उसके प्रेमी युगांधर और दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया.

भगवान राम की 81 फीट ऊंची मूर्ति बना रहा था हिंदू व्यक्ति, उठा ले गई पुलिस; भारी बवाल

(यंग भारत न्यूज)

भगवान राम की 81 फीट ऊंची विशाल मूर्ति का निर्माण करवा रहे एक हिंदू युवक की गिरफ्तारी के बाद बवाल मच गया है। युवक का नाम हरिदास चंद्र तारनी दास है। इस कार्रवाई के विरोध में शनिवार को ढाका के नेशनल प्रेस क्लब के बाहर अल्पसंख्यक समुदाय (हिंदू, बौद्ध और ईसाई) के नेताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों का सीधा आरोप है कि मूर्ति निर्माण के काम को रोकने के लिए मनी लॉन्ड्रिंग के मनगढ़ंत केस में फंसाकर हरिदास को जेल भेजा गया है। हरिदास चंद्र गायकबंधा जिले के पलाशबाड़ी इलाके में भगवान राम की 81 फीट ऊंची मूर्ति बनवा रहे थे। बांग्लादेश के आपराधिक जांच विभाग ने हरिदास को 9.35 करोड़ टका (बांग्लादेशी मुद्रा) के संदिग्ध लेन-देन और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि हरिदास 2010 में अवैध रूप से भारत गया था और 2019 में उसने इस्लाम कबूल कर लिया था। स्थानीय कोर्ट द्वारा हरिदास को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद से ही अल्पसंख्यकों का गुस्सा फूट पड़ा है। बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद की अगुवाई में हुए इस प्रदर्शन में सरकार को सीधी चेतावनी दी गई है। परिषद के महासचिव मनिंद्र कुमार नाथ ने हरिदास की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि सरकार ने जानबूझकर उसे फंसाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भगवान राम की मूर्ति बनाने को लेकर की गई इस गिरफ्तारी को अल्पसंख्यक समुदाय किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेगा। वहीं, परिषद के वरिष्ठ नेता सुब्रत चौधरी ने सरकार को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर बेकसूर हरिदास को तुरंत रिहा नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में हिंदू, बौद्ध और ईसाई समुदाय सड़कों पर उतरकर एकजुट और उग्र आंदोलन करेंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसे समय में जब देश में सद्भाव का माहौल बन रहा है, तब सरकार को असहज करने के लिए ऐसी साजिशें किसके इशारे पर रची जा रही हैं ? मनिंद्र कुमार नाथ ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा के आंकड़े भी सामने रखे। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल में पूरे बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की करीब 3,000 घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें 66 लोगों की हत्या कर दी गई। इसके अलावा कट्टरपंथियों ने कई मंदिरों को भी निशाना बनाया है। हाल ही में नरसिंगदी में 25 साल के एक हिंदू युवक चंचल भौमिक की मौत का मामला भी सामने आया था, जिसकी सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध परिस्थितियां दिखने के बाद हत्या की आशंका जताई गई है। इसके अलावा कुछ हफ्ते पहले इसी (गायकबंधा) जिले में इस्लामी प्रदर्शन के दौरान भगवान राम की तस्वीर के अपमान को लेकर भी हिंदू समुदाय ने भारी विरोध दर्ज कराया था। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं पर भारत सरकार भी कड़ी आपत्ति जता चुकी है। 23 जून को भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि बांग्लादेश में हिंदू देवी-देवताओं और उनकी तस्वीरों के अपमान की घटनाओं पर भारत की नजर है। उन्होंने बांग्लादेश सरकार से कट्टरपंथी तत्वों पर तत्काल लगाम कसने और अल्पसंख्यक समुदाय की पुख्ता सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की थी।

रोहित के संन्यास की अटकलें, बीसीसीआई ने कहा-यह केवल अफवाह

लंदन

भारतीय क्रिकेट के इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक रोहित शर्मा के फैंस के लिए एक बड़ी खबर है। 19 जुलाई को ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के खिलाफ होने वाला तीसरा और आखिरी मैच रोहित शर्मा के वनडे करियर का आखिरी मैच हो सकता है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि इस रविवार लॉर्ड्स में रोहित आखिरी बार भारतीय जर्सी में खेलते हुए दिख सकते हैं। वहीं, दूसरी ओर रोहित के संन्यास की अटकलों पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पूर्ण विराम लगा दिया है। बोर्ड का कहना है, कि सोशल मीडिया में चल रही खबरें अफवाह हैं।

सिलेक्टर्स नहीं कर रहे 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए रोहित पर विचार

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर ने पिछले हफ्ते रोहित शर्मा से मुलाकात की और टीम इंडिया की लंबी अवधि की योजनाओं पर चर्चा की। सिलेक्टर्स ने साफ कर दिया कि वे 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए रोहित पर विचार नहीं कर रहे हैं और यह उनकी आखिरी इंटरनेशनल सीरीज हो सकती है। सिलेक्शन कमेटी अब युवा खिलाड़ियों पर ध्यान देना चाहती है, जिसमें यशस्वी जायसवाल को भविष्य के ओपनिंग बल्लेबाज के तौर पर अहम भूमिका के लिए तैयार किया जा रहा है।

रोहित के माता-पिता पहुंचे लंदन

इसी बीच, रोहित शर्मा के माता-पिता लंदन पहुंच गए हैं और उनके लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर आखिरी वनडे देखने के लिए मौजूद रहने की उम्मीद है। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा या बयान नहीं आया है कि यह वाकई रोहित शर्मा का आखिरी मैच होगा या नहीं।

बोर्ड ने अटकलों पर लगाया विराम

दूसरी ओर रोहित शर्मा के वनडे क्रिकेट से संन्यास की अटकलों पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पूर्ण विराम लगा दिया है। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने स्पष्ट किया है कि लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ होने वाला मुकाबला रोहित शर्मा के वनडे करियर का आखिरी मैच नहीं होगा। मीडिया में कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। मैं पूरी स्पष्टता के साथ यह कहना चाहता हूं कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है।

रोहित का वनडे करियर

रोहित शर्मा के वनडे करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2007 में अपने करियर का आगाज किया था। इसके बाद से लेकर अभी तक वह टीम इंडिया के लिए 287 वनडे मैच खेल चुके हैं, लेकिन वनडे वर्ल्ड कप कभी भी भारत के लिए नहीं जीत सके। साल 2011 वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया का हिस्सा तो विराट कोहली थे, लेकिन रोहित उस टीम से बाहर रहे थे। इसके चलते रोहित का हमेशा से सपना रहा कि वह भारत के लिए एक बार वनडे वर्ल्ड कप हर हाल में जीतना चाहते हैं।

खबर संक्षेप

- वेस्टइंडीज के लिए 93 टेस्ट खेले
- फर्स्ट-क्लास में पहली बार 6 गेंद पर 6 छक्के लगाए

सर गैरी सोबर्स का 89 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर सर गैरी सोबर्स का 89 साल की आयु में निधन हो गया है। एक ओवर की सभी 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाने का पहला वर्ल्ड रिकॉर्ड उन्होंने बनाया था। उन्होंने यह कारनामा फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में किया था। उन्होंने 1968 में नॉटिंघमशायर की तरफ से खेलते हुए ग्लेमॉर्गन के खिलाफ सेंट हेलेन्स मैदान पर एक ओवर में 6 छक्के जड़े थे। सोबर्स ने साल 1953 में 16 साल की उम्र में बारबाडोस के लिए अपना फर्स्ट-क्लास डेब्यू किया था। इसके अगले ही साल 1954 में उन्हें वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम में शामिल कर लिया गया। साल 1958 में पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक लगाया और नाबाद 365 रन की पारी खेली। यह टेस्ट मैच की एक पारी में किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर था, जिसे 1994 में वेस्टइंडीज के ही ब्रायन लारा ने तोड़ा। सोबर्स ने साल 1974 में 38 साल की उम्र में संन्यास ले लिया था।

पाक स्पिनर नवाज डोपिंग के आरोप में निलंबित

दुबई। पाकिस्तान के स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला मोहम्मद नवाज पर डोप टेस्ट में नाकाम रहने के कारण तीन महीने का निलंबन लगाया गया है।

उन्होंने इस साल टी20 विश्व कप के दौरान प्रतिबंधित पदार्थ का सेवन किया था। हालांकि उसका खेल में प्रदर्शन से कोई सरोकार नहीं था। नशीले पदार्थों के सेवन से जुड़ा इलाज पूरा करने पर नवाज की सजा घटाकर एक महीने की कर दी जाएगी। उनके अयोग्य रहने की अवधि एक मई से मानी जाएगी, क्योंकि इसी तारीख से उन्होंने स्वेच्छा से अस्थायी निलंबन शुरू किया था। आईसीसी ने कहा, 'पाकिस्तान के स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला मोहम्मद नवाज ने आईसीसी की डोपिंग रोधी आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर तीन महीने का निलंबन स्वीकार कर लिया है।'

चैंपियंस को मिलेगा अनोखा सम्मान

विजेता को पहली बार पहनाई जाएगी 'चैंपियनशिप रिंग'

नई दिल्ली

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के विजेता खिलाड़ियों को इस बार एक खास सम्मान मिलेगा। विश्व कप के इतिहास में पहली बार चैंपियन बनने वाली टीम के खिलाड़ियों और स्टाफ को ट्रॉफी और गोल्ड मेडल के साथ-साथ चैंपियनशिप रिंग भी दी जाएगी। फीफा ने इसकी आधिकारिक घोषणा की है। फीफा के अनुसार, यह रिंग अमेरिकी खेलों की मशहूर परंपरा से प्रेरित है और पहली बार फुटबॉल विश्व कप का हिस्सा बनेगी। इसका मकसद खिलाड़ियों को उनकी ऐतिहासिक जीत की एक खास याद देना है।

2026 पीस का लिमिटेड एडिशन

फीफा ने बताया कि इस रिंग का कुल 2,026 पीस का लिमिटेड एडिशन बनाया जाएगा। इनमें से 30 रिंग विश्व चैंपियन टीम को मिलेंगी, जबकि बाकी 1,996 रिंग दुनिया भर के फुटबॉल प्रशंसकों के लिए आधिकारिक लाइसेंस प्राप्त उत्पाद के रूप में बिक्री के लिए उपलब्ध होंगी।

ऐसी होगी रिंग की डिजाइन

रिंग के एक तरफ फीफा वर्ल्ड कप की ट्रॉफी बनी होगी, जबकि दूसरी तरफ विजेता टीम के अनुसार खास डिजाइन तैयार किया जाएगा। हर रिंग पर अलग नंबर होगा, उसे खिलाड़ी के हिसाब से तैयार किया जाएगा और उसके साथ असली होने का प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। फाइनल मैच खत्म होने के तुरंत बाद विजेता टीम के कप्तान और हेड कोच को अस्थायी रिंग दी जाएगी। इसके बाद पूरी विजेता टीम के लिए 30 रिंग तैयार की जाएंगी। हर रिंग को खिलाड़ियों के अनुसार कस्टमाइज किया जाएगा और बाद में आधिकारिक रूप से उन्हें सौंपा जाएगा।

यमाल ने फाइनल से पहले अकेले की रिकवरी ड्रिल

न्यूयॉर्क

स्पेन के स्टार खिलाड़ी लामिन यमाल को लेकर फीफा वर्ल्ड कप फाइनल से पहले फैंस की चिंता बढ़ गई है। यमाल ने अर्जेंटीना के खिलाफ खिताबी मुकाबले से पहले ट्रेनिंग सेशन के दौरान अकेले ट्रेनिंग की। उन्हें लेकर चोट की थोड़ी चिंता पैदा हो गई थी। हालांकि स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन ने तुरंत इन चिंताओं को कम करते हुए कहा कि इस युवा स्टार के रविवार को अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले बड़े मुकाबले के लिए फिट होने की उम्मीद है।

उम्मीद है कि जब स्पेन अपने दूसरे वर्ल्ड कप खिताब के लिए खेलेगा, तब यमाल उपलब्ध होंगे। यह अलग से ट्रेनिंग सेशन यमाल के लिए एक मुश्किल सेमीफाइनल के बाद हुआ, जिसमें उन्होंने शाम का ज्यादातर समय फ्रांस के फुल-बैक लुकास डिग्ने और थियो हर्नांडेज से जूझते हुए बिताया था। हालांकि मैच के बाद स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंटे ने जोर देकर कहा कि बार्सिलोना के इस युवा खिलाड़ी को कुछ नहीं हुआ है, फिर भी 90 मिनट के एक और जबरदस्त खेल के बाद उन्हें आमतौर पर होने वाले दर्द और चोटों का सामना करना पड़ रहा था।

चोट की चिंताओं को स्पेन ने किया कम

स्पेन ने साफ कर दिया है कि वे टूर्नामेंट के सबसे बड़े मैच से पहले कुछ भी किस्मत पर नहीं छोड़ रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि यमाल और पेरो दोनों रविवार के फाइनल से पहले पूरी ट्रेनिंग पर लौट आएंगे और अलग सेशन टीम के रिकवरी शेड्यूल का हिस्सा होगा, न कि किसी बड़ी चोट की चिंता जाहिर है। फ्रांस के खिलाफ जीत के बाद डे ला फुएंटे ने माना कि टोटेनहम के डिफेंडर को चोट लगी थी, तो पेरो का सामना थोड़ा और गंभीर लगने लगा।

मेस्सी बोले- हमें कुछ भी थाली में सजाकर नहीं दिया गया

अटलांटा

लियोनेल मेस्सी ने विश्व कप फुटबॉल में अर्जेंटीना की आलोचना करने वालों को संदेश देते हुए कहा कि 'हमें कुछ भी थाली में सजाकर नहीं दिया गया। अर्जेंटीना के सुपरस्टार ने उन आलोचकों को जवाब दिया है, जो पक्षपातपूर्ण फैसलों को लेकर मौजूदा विश्व कप चैंपियन टीम की आलोचना कर रहे हैं। मेस्सी ने कहा कि मैच के अंतिम क्षणों में पिछड़ने के बाद वापसी करने की क्षमता से ही उनकी टीम ने लगातार जीत हासिल की तथा इसमें किस्मत और रेफरी का हाथ नहीं है।

रेफरी के फैसले पर हुई सोशल मीडिया में आलोचना

स्विट्जरलैंड और मिस्र दोनों के कोच ने रेफरी के फैसलों की आलोचना की। मिस्र के होसाम हसन ने तो यहां तक कह दिया कि उनकी टीम उस फुटबॉल व्यवस्था का शिकार हुई है, जो मेस्सी और अर्जेंटीना का पक्ष लेती है। इसके बाद सोशल मीडिया पर भी अर्जेंटीना की आलोचना हुई और आरोप लगाए गए कि विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा चाहता है कि अर्जेंटीना एक बार फिर विश्व चैंपियन बने।

जापान ओपन: बिना खेले सेमीफाइनल में सिंधू

टोक्यो। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू करीब तीन साल में पहली बार सुपर 750 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गईं जब शुक्रवार को जापान ओपन के महिला एकल क्वार्टर फाइनल से पहले पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा ने नाम वापिस ले लिया। 2019 विश्व चैंपियन सिंधू आखिरी बार 2023 डेनमार्क ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंची थीं। इस सत्र में वह मलेशिया ओपन सुपर 1000 और आस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 के सेमीफाइनल में भी पहुंची थीं।

ओकुहारा को प्री क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की अन से यंग के नाम वापिस लेने के बाद अंतिम आठ में प्रवेश मिला था।

सिंधू का सामना अब चेन युफेई से

सिंधू का सामना अब तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन युफेई से होगा, जिन्होंने दक्षिण कोरिया की सिम यू जिन को 21-10, 21-12 से मात दी।

कुश्ती रैंकिंग सीरीज

हंसिका लांबा ने रजत व रजत ने जीता कांस्य

रोहतक

बुडापेस्ट कुश्ती रैंकिंग सीरीज में देश के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। शनिवार को देर रात खेले गए मुकाबले में हरियाणा के पहलवानों ने दो पदक जीते। हिसार की हंसिका लांबा ने 55 किग्रा में रजत पदक अपने नाम किया। 19 साल की हंसिका लांबा को फ्रीस्टाइल कैटेगरी के फाइनल में यूक्रेन की पूर्व जूनियर यूरोपियन चैंपियन कतेरिना जेलेनयुरका से 5-0 से हार मिली और उन्हें दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। हंसिका लांबा ने क्वार्टर-फाइनल में तुर्की की बुश डेमिर को 8-4 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। सेमी-फाइनल मुकाबले में पिछड़ने के बावजूद उन्होंने जर्मनी की अनास्तासिया ब्लेयस को 10-7 से हराया। वह भारतीय रेसलर इस साल शानदार फॉर्म में रही हैं। उन्होंने अपने दो अन्य इंटरनेशनल टूर्नामेंट एशियन चैंपियनशिप और उलानबटार ओपन में कांस्य पदक जीते थे। महिलाओं के 50 किग्रा कैटेगरी में भारत की प्रियांशी प्रजापत कांस्य पदक से बस एक कदम दूर रह गईं। रेपेचेज के जरिए मौका मिलने के बाद पदक के लिए हुए मुकाबले में उन्हें इक्वाडोर की पूर्व पैन-अमेरिकन चैंपियन जैकलीन मोलोकाया से 4-2 से हार का सामना करना पड़ा। पुरुषों के 125 किग्रा वर्ग में एशियन गेम्स में हिस्सा लेने जा रहे झज्जर के पहलवान रजत रुहल ने कांस्य पदक जीता। उन्हें यह पदक तब मिला जब उनके प्रतिद्वंद्वी अमेरिका के मेसन पेरिस ने चोट के कारण वॉकओवर दे दिया। इससे पहले रजत क्वार्टर-फाइनल में पोलैंड के कामिल कोसिओलेक से हार गए थे, लेकिन रेपेचेज राउंड में रिपब्लिक ऑफ कोरिया के क्वांगह किम को 8-4 से हराकर पदक मैच में जगह बनाई। वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली अंतिम पंघाल रविवार को महिलाओं के 53 किग्रा वर्ग में हिस्सा लेंगी।

तीसरा वनडे : न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 6 विकेट से हराया, सीरीज में 2-1 से आगे

लेनोक्स को 4 विकेट, विंडीज ने 19 रन पर 6 विकेट खोए

प्रोविडेंस

बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज जेडन लेनोक्स की लगातार दूसरे मैच में शानदार गेंदबाजी से वेस्टइंडीज की टीम अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रही, जिससे न्यूजीलैंड ने तीसरा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच 6 विकेट से जीतकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली।

पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी वेस्टइंडीज का स्कोर एक समय 1 विकेट पर 67 रन था लेकिन इसके बाद उसकी बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई और पूरी टीम 37.1 ओवर में 140 रन पर ढेर हो गई। वेस्टइंडीज की तरफ से केवल तीन बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे। इनमें कीसी कार्टी ने सर्वाधिक 48 रन बनाए। उनके अलावा अकीम ऑगस्ट (26) और शिमरोन हेटमायर (26) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। मिशेल सैंटनर ने 8.1 ओवर में 15 रन देकर दो और माइकल ब्रैसवेल ने 33 रन देकर दो विकेट लिए। न्यूजीलैंड ने 39.3 ओवर में चार विकेट पर 141 रन बनाकर जीत हासिल की। हेनरी निकोल्स ने 24 और विल यंग ने 23 रन बनाकर पहले विकेट के लिए मजबूत साझेदारी की। डेरिल मिचेल ने बीच के ओवरों में 28 रन बनाए तथा टॉम लैथम और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने पांचवें विकेट के लिए 52 रन की अटूट साझेदारी करके न्यूजीलैंड को जीत दिलाई। लैथम एक बार फिर भरोसेमंद साबित हुए। उन्होंने 53 गेंदों में नाबाद 31 जबकि फॉक्सक्रॉफ्ट ने 28 गेंदों में नाबाद 22 रन बनाए।

सितंबर में समरकंद में होगा आयोजन

'फिडे एक्सीलेंस' दौड़ में गुकेश, प्रज्ञानानंदा और दिव्या

नई दिल्ली

विश्व चैंपियन डी गुकेश, आर प्रज्ञानानंद और दिव्या देशमुख उन भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो पहले 'फिडे एक्सीलेंस' पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ शतरंज खिलाड़ी के सम्मान की दौड़ में हैं। इसका आयोजन सितंबर में उज्बेकिस्तान के समरकंद में 46वें ओलंपियाड के साथ किया जाएगा।

गुकेश, प्रज्ञानानंद और अर्जुन एरिगैसी उन 10 खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के लिए नामांकित किया गया है और इसमें दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन भी शामिल हैं। विश्व कप विजेता दिव्या, दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हम्पी और महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट की विजेता वैशाली उन भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

गुकेश और दिव्या 'बेस्ट ब्रेकथ्रू परफॉर्मेंस' वर्ग में नामांकित

गुकेश और दिव्या को उनके वैश्विक खिताब के लिए 'बेस्ट ब्रेकथ्रू परफॉर्मेंस' वर्ग में भी नामांकित किया गया है। इस साल की शुरुआत में शुरू किए गए ये पुरस्कार हर दो साल में दिए जाएंगे और दो साल के समय में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को सम्मानित किया जाएगा। शुरुआती पुरस्कारों में सितंबर 2024 से अगस्त 2026 तक की उपलब्धियों को शामिल किया गया है। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) को 'सर्वश्रेष्ठ महासंघ' के वर्ग में नामांकित किया गया है।

ओएमजी 2 का आइडिया मेरा था क्रेडिट तक नहीं दिया गया : परेश

मुंबई। अभिनेता परेश रावल ने अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी की फिल्म 'ओएमजी 2' को लेकर एक बड़ा दावा किया है। एक्टर ने दावा किया कि 'ओएमजी 2' की कहानी असल में एक आइडिया के तौर पर शुरू हुई थी, जिसे उन्होंने डायरेक्टर अमित राय के साथ मिलकर डेवलप किया था। बाद में उन्हें ही इस कहानी या कॉन्सेप्ट का क्रेडिट नहीं दिया गया। एक्टर ने यह भी कहा कि अक्षय कुमार के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने के बाद कहानी में काफी बदलाव किए गए, जिसकी वजह से उन्होंने फिल्म से अलग होने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि उनकी ओरिजिनल कहानी पिता-बेटे के रिश्ते पर आधारित एक ड्रामा थी, जिसमें यौन शिक्षा, लोगों के बीच बेइज्जती और न्याय के लिए माता-पिता की लड़ाई जैसे मुद्दे शामिल थे।

लाइफ Style

कृति

सनकी लड़की का रोल करना चाहती हूं

कृति सेनन का कहना है कि अब वे लीक से हटकर किरदारों के जरिए खुद को चुनौती देने के लिए उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने माना कि वे जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं और उन्हें खास तौर पर साइकोलॉजिकल इंटेंस किरदार पसंद हैं। उन्होंने कहा कि वे पर्दे पर 'साइको चिक' का रोल निभाना पसंद करेंगी।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कृति सेनन ने हाल ही में एक बातचीत में उस तरह के किरदारों के बारे में बात की, जिन्हें वे भविष्य में आजमाना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि साइकोलॉजिकल ड्रामा 'ऑब्सेशन' देखने के बाद उन्हें स्क्रिप्ट चुनने के अपने तरीके पर फिर से सोचने की प्रेरणा मिली। फिल्म के असर के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, 'जब मैंने 'ऑब्सेशन' देखी, तो मुझे लगा, 'अरे बाप रे, हमें सेफ खेलने की आदत छोड़नी होगी। हमें कुछ हटकर करना होगा'। इसने मुझे सच में बहुत उत्साहित किया। कृति सेनन एक 'साइको' लड़की का किरदार निभाना चाहती हैं। एक्ट्रेस ने जेंडाया जैसे स्टार्स को भी इसका क्रेडिट दिया, जिन्होंने अपनी शानदार परफॉर्मेंस मुश्किल किरदारों को निभा पाने की हिम्मत से प्रेरित किया है। कृति ने रियल पर्सनैलिटी से बिल्कुल हटकर किरदार निभाने की ख्वाहिश जताई। उन्होंने कहा, 'मैं एक सनकी किरदार निभाना चाहती हूं'। कृति सेनन ने कहा, 'मैं किरदारों को लेकर सेफ साइड में नहीं चलना चाहती। एक अभिनेत्री के रूप में, ऐसा जीवन जीना बहुत रोमांचक है, जो आपके जीवन से बिल्कुल अलग है और उस व्यक्ति का पता लगाना जो आप नहीं हैं। मैं पूरी तरह से किसी मानसिक रोगी का किरदार निभाना पसंद करूंगी'। कृति के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उन्हें 'कॉकटेल 2' में देखा गया।

हॉलीवुड मसाला

बड़े शहरों में द ओडिसी के टिकट काफी महंगे

नई दिल्ली। क्रिस्टोफर नोलन की मच अवेटेड फिल्म 'द ओडिसी' शुक्रवार को थिएटर्स में रिलीज हो चुकी है। टिकट की कीमतें चौंकाने वाली हैं। पुणे के आईमैक्स/ऑस्टिन मेगाप्लेक्स में रिक्लाइनर सीट की कीमत 3400 है। मुंबई के पीवीआर फ्लेम सिटी फीनिक्स आइकॉन, फीनिक्स पैलेडियम में यही सीट 3100 में मिल रही है। वहीं, दिल्ली-एनसीआर के पीवीआर आईमैक्स (प्रिया) में टिकट 2500 तक पहुंच गए हैं। बेंगलुरु के सिनेपोलिस नेक्सस शांतिनिकेतन में एक टिकट 1950 का है, जबकि आईमैक्स/ऑस्कर सत्यम सिटी सेंटर में टिकट 1240 तक मिल रहा है। फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी एक्साइटमेंट है और एडवांस बुकिंग में तेजी से हो रही है।

सिनेमा में आने से पहले करता था कारपेंटर का काम

नई दिल्ली। ऐसे कई एक्टर हुए, जिन्होंने अपने स्ट्रगल के दिनों में छोटे-मोटे काम किए और फिर सिनेमा के बड़े स्टार बने, उनके टैलेंट को पूरी दुनिया ने सराहा। आज हम ऐसे ही एक एक्टर के बारे में बताने जा रहे हैं। वो एक्टर हैं हैरिसन फोर्ड। 1960 के दशक के आखिर में संघर्ष कर रहे हैरिसन फोर्ड ने अपने परिवार का खर्च चलाने के लिए लाइब्रेरी की किताबों को पढ़ कर कारपेंटरी (बढ़ई का काम) सीखी और वह हॉलीवुड सेलेब्स के बीच पसंदीदा कारीगर बन गए। 1975 में जब वह उस ऑफिस में दरवाजा लगा रहे थे जहां और 'स्टार वॉर्स' के लिए ऑडिशन ले रहे थे, तब फोर्ड से ऑडिशन देने वाले एक्टर्स के साथ डायलॉग पढ़ने के लिए कहा गया। उनकी प्रतिभा को देखते हुए उन्हें 'हान सोलो' के रोल के लिए चुना गया। फोर्ड 1960 के दशक में हॉलीवुड अपर और कोलंबिया पिक्चर्स के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। जहां सिर्फ छोटे-मोटे और अनाकर्षक रोल मिले, जिससे मुश्किल से ही गुजारा हो पाता था।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते

मुंबई। अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह कई तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने दोनों इंडस्ट्रीज में काम करने के माहौल के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें लगता है कि टॉलीवुड में लोग एक बड़े परिवार की तरह काम करते हैं, जबकि बॉलीवुड में माहौल अलग होता है। रकुल प्रीत सिंह ने बताया कि तेलुगु इंडस्ट्री ने हमेशा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया है और सपोर्ट किया है। रकुल के मुताबिक, वहां के एक्टर्स, डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स हमेशा एक-दूसरे का हौसला बढ़ाने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि वे खुशी-खुशी एक-दूसरे के ट्रेलर को प्रमोट करते हैं। दूसरी ओर, उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें अक्सर लोगों में असुरक्षा की भावना महसूस होती है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से कई लोग खुलकर दूसरों की फिल्मों को सपोर्ट नहीं करते हैं।

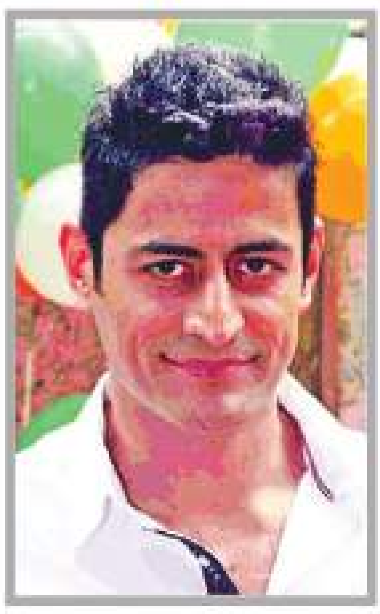

4000 करोड़ की रामायण में भगवान शिव बनेगा ये एक्टर

नई दिल्ली। नितेश तिवारी की 'रामायण' में भगवान शिव के किरदार के लिए मोहित रैना का नाम सबसे आगे चल रहा है। हालांकि, फिल्म के मेकर्स की ओर से अभी तक इस कास्टिंग को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इसके बावजूद सोशल मीडिया और फिल्मी गलियारों में लगातार यही दावा किया जा रहा है कि मेकर्स इस अहम भूमिका के लिए मोहित रैना को लेकर काफी उत्साहित हैं। मोहित रैना ने टीवी के पॉपुलर शो 'देवों के देव... महादेव' में भगवान शिव का किरदार निभाकर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। उनकी एक्टिंग, डायलॉग्स और स्क्रीन प्रेजेंस ने इस किरदार को दर्शकों के बीच बेहद खास बना दिया था। यही वजह रही कि आज भी बड़ी संख्या में लोग उन्हें 'महादेव' के नाम से पहचानते हैं। अगर रिपोर्ट्स सही साबित होती हैं तो लंबे समय बाद दर्शकों को एक बार फिर उन्हें भगवान शिव के रूप में देखने का मौका मिल सकता है।

टीवी मसाला

सोनू ने गाया था दूरदर्शन के पॉपुलर शो का गाना

नई दिल्ली। टीवी पर सिर्फ एक धुन बजती थी... और अगले ही पल पूरा घर चुप हो जाता था। बच्चों की बातें रुक जाती थीं, बड़े भी अपनी जगह छोड़ने का नाम नहीं लेते थे। जैसे-जैसे गाने की धुन आगे बढ़ती, वैसे-वैसे तिलिस्म और रोमांच से भरी एक नई दुनिया का दरवाजा खुलने लगता था। मजेदार बात ये है कि उस धुन को सुनकर करोड़ों लोगों ने बचपन बिताया, लेकिन उसकी आवाज के पीछे कौन था, ये राज आज भी बहुत कम लोग जानते हैं। फिल्मों में अपनी आवाज का जादू बिखेरने से पहले एक मशहूर सिंगर ने दूरदर्शन के इस सुपरहिट शो को अपनी आवाज देकर हमेशा के लिए यादगार बना दिया। ये शो था 'चंद्रकांता', जिसने 90s में दूरदर्शन पर आते ही दर्शकों को अपना दीवाना बना लिया था। शो की कहानी जितनी दिलचस्प थी, उसका टाइटल सॉन्ग भी उतना ही खास था। बहुत कम लोग जानते हैं कि इस दमदार टाइटल ट्रैक को सोनू निगम ने अपनी आवाज दी थी। उनकी आवाज ने शो के रहस्यमयी माहौल को ऐसा रंग दिया कि पहली धुन बजते ही लोग टीवी के सामने टिक जाते थे। तिलिस्म, ऐयारी, प्यार और सस्पेंस से भरी चंद्रकांता की दुनिया हर हफ्ते दर्शकों को नई रोमांचक यात्रा पर ले जाती थी। लेकिन शो का टाइटल सॉन्ग भी इसकी सबसे बड़ी पहचान बन गया। उस दौर में ना सोशल मीडिया था और ना ही यूट्यूब, फिर भी लोग इसकी धुन गुनगुनाते थे। यही वजह है कि आज भी ये गाना सुनते ही 90s की ढेर सारी यादें ताजा हो जाती हैं।

आकांक्षा के कारण असहज हो जाते हैं धीरज

नई दिल्ली। टीवी एक्टर धीरज धूपर ने रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में अपनी को-कंटेस्टेंट आकांक्षा पुरी को 'रेड फ्लैग' कहा है, क्योंकि उनके व्यवहार से धीरज को असहज महसूस होता है। शो के आने वाले एपिसोड के प्रोमो में एक्टर अर्जुन कपूर धीरज से पूछेंगे कि वह आकांक्षा को क्या टैग देना चाहेंगे।

आकांक्षा ने पहले खुद को 'साइकोलॉजिकल खतरा' बताया और बाद में शो के होस्ट को 'परेशान' कहा। धीरज ने उन्हें रेड फ्लैग का टैग दिया और इसकी वजह भी बताई। उन्होंने कहा, 'रेड फ्लैग, जिस तरह से वह व्यवहार करती हैं, उससे मैं असहज हो जाता हूं।' उन्होंने करण सिंह ग्रोवर के साथ आकांक्षा की नजदीकी की ओर भी इशारा किया। धीरज की बात सुनकर आकांक्षा नाराज हो गईं और कहा- ऐसा लग रहा है जैसे मैं आपको शारीरिक रूप से असहज कर रही हूं। सेलिब्रिटी के इस शो में आकांक्षा पुरी, करण सिंह ग्रोवर, राम कपूर, ईशा मालवीय, विक्की जैन, तेजस्वी प्रकाश, सुदेश लहरी, धीरज धूपर और कश्मीरा शाह जैसे मशहूर नाम शामिल हैं।

7 महीने की प्रेग्नेंसी में किया ताबड़तोड़ एक्शन

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण पर्दे पर कई तरह के रोल कर चुकी हैं। उन्होंने रोमांटिक हीरोइन से लेकर एक्शन हीरोइन तक माना जाता है। दीपिका पादुकोण इन दिनों प्रेग्नेंट हैं। लेकिन, इस दौरान भी दिग्गज एक्ट्रेस का जज्बा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। दीपिका पादुकोण अपनी तीसरी तिमाही में भी रुके बिना काम कर रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, दीपिका अपनी आने वाली फिल्म राका की शूटिंग लगातार चला रही हैं। आठ घंटे की तय शिफ्ट और वर्क-लाइफ बैलेंस की वकालत के बावजूद वे फिल्म को समय पर पूरा करने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं।सात महीने की प्रेग्नेंसी में दीपिका नाइट शिफ्ट्स कर रही हैं और बेहद चुनौतीपूर्ण एक्शन सीक्वेंस शूट कर रही हैं। मैटरनिटी लीव से पहले वे इस प्रोजेक्ट को पूरा करने पर पूरा ध्यान दे रही हैं। फिल्म की टीम दीपिका के प्रोफेशनलिज्म से काफी प्रभावित है। टीम के एक सदस्य ने कहा, "दीपिका ने मैटरनिटी ब्रेक से पहले फिल्म पूरी करने का फैसला कर लिया था। कुछ एक्शन सीक्वेंस बेहद मुश्किल और थकाऊ थे, लेकिन उन्होंने हर चुनौती को पार कर लिया. सेट पर उनका यह जुनून सबके लिए प्रेरणादायक है। साथ ही घर पर उनकी डेढ़ साल की बेटी को भी वे पूरा समय और प्यार दे रही हैं।" राका एटली की महत्वाकांक्षी साइंस-फिक्शन फैंटेसी एक्शन फिल्म है, जिसमें अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिकाओं में हैं। बड़े बजट वाली इस पैन-इंडिया फिल्म में शानदार विजुअल इफेक्ट्स और दमदार एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे.

बंटवारा 1947 से पहले रिलीज हो रही हैं सनी की ये 3 फिल्में

मुंबई। सनी देओल अगले महीने फिर से पर्दे पर नजर आने वाले हैं। उनकी फिल्म बंटवारा 1947 सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 14 अगस्त को बड़े पर्दे पर दस्तक देगी। लेकिन, उससे पहले सनी देओल की लगातार तीन हफ्ते में तीन फिल्में रिलीज होने वाली हैं। सनी देओल बॉलीवुड के दिग्गज कलाकारों में से एक हैं। फैंस उनकी फिल्म का बेसब्री से इंतजार करते हैं। आने वाले 20 दिन के अंदर सनी देओल ने तीन बड़ी हिट फिल्में फिर से सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं।

कौन-कौन सी फिल्में होंगी रिलीज

दरअसल, पीवीआर इनॉक्स सनी देओल और राजकुमार संतोषी की शानदार विरासत का जश्न मना रहा है। इसके लिए वे 90 के दशक की तीन दमदार ब्लॉकबस्टर फिल्मों को फिर से रिलीज कर रहे हैं। इस रेट्रोस्पेक्टिव की शुरुआत 24 जुलाई को दामिनी से होगी, इसके बाद 31 जुलाई को घातक और 7 अगस्त को घायल को सिनेमाघरों में दिखाया जाएगा। यह दर्शकों को 14 अगस्त को 'बंटवारा 1947' की रिलीज से पहले बड़े पर्दे पर इन क्लासिक फिल्मों का अनुभव करने का मौका देता है। यह पहल भारतीय सिनेमा की सबसे मशहूर फिल्ममेकर-एक्टर जोड़ी को सम्मान देती है और साथ ही पुराने फैंस और नई पीढ़ी के दर्शकों को इन दमदार फिल्मों को एक बार फिर थिएटर में देखने के लिए आमंत्रित करती है। बात करें फिल्म 'दामिनी' की तो यह फिल्म पहली बार साल 1993 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को बड़े पर्दे पर खूब पसंद किया गया था। 'दामिनी' में सनी देओल के साथ ऋषि कपूर मीनाक्षी शेषाद्रि और अमरीश पुरी मुख्य भूमिका में हैं। वहीं, फिल्म घातक में साल 1996 में सिनेमाघरों में आई थी। इस फिल्म ने उस वक्त बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी। घायल भी सनी देओल के करियर की कल्ट फिल्मों में से एक है। यह फिल्म 1990 में रिलीज हुई थी। इन सभी फिल्मों में सनी देओल के साथ मीनाक्षी शेषाद्रि मुख्य भूमिका में थीं।

पर्दे पर शायर बनते-बनते रह गए, लीना के साथ आने वाले थे नजर

57 साल पहले डिब्बा बंद हुई थी अमिताभ की फिल्म

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमिताभ बच्चन को आज के समय में हिंदी सिनेमा का महानायक माना जाता है। पिछले 6 दशकों से ज्यादा लंबे करियर में अमिताभ ने एक से बढ़कर एक मूवीज के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। ज्यादा बातें उनकी हिट फिल्मों की जाती है, लेकिन आज चर्चा बिग बी की उस फिल्म के बारे में होगी, जिसमें अमिताभ बच्चन एक शायर की भूमिका निभाने वाले थे। ये एक बायोपिक मूवी थी और इसकी शूटिंग भी शुरू हो गई थी। लेकिन, फिर बाद में जाकर ये डिब्बा बंद हो गई। आइए जानते हैं कि अमिताभ बच्चन की 57 साल पुरानी वह फिल्म कौन सी थी।

मिर्जा गालिब पर बनी हैं ये फिल्म

अमिताभ बच्चन बेशक पर्दे पर शायर मिर्जा गालिब की भूमिका नहीं निभा पाए। लेकिन, इस शायर की जिंदगी पर बनी सबसे मशहूर फिल्म मिर्जा गालिब (1954) में दिग्गज अभिनेता रहे भारत भूषण ने मुख्य भूमिका निभाकर वाहवाही लूटी थी।

कुछ दिनों की शूटिंग के बाद बंद हो गई

फिल्म की कास्ट के स्क्रीन टेस्ट भी हो गए थे, जिसमें अमिताभ ने सभी को प्रभावित किया। इसी वजह से सावन कुमार ने मिर्जा गालिब के शुरुआती जीवन को भी फिल्मा लिया था। लेकिन, कुछ दिनों की शूटिंग के बाद मिर्जा गालिब बंद हो गई। आईएएनएस की रिपोर्ट में ये दावा किया जाता है कि इस मूवी के निर्माताओं का अमिताभ बच्चन की आवाज और दुबले-पतले शरीर को लेकर स्क्रीन प्रजेंस पर संदेह होने लगा। उन्होंने मिर्जा गालिब पर पैसा लगाने से मना कर दिया और सावन कुमार टाक को मूवी से हाथ पीछे खींच लिए। इस तरह से अमिताभ बच्चन और लीना चंद्रावरकर की मिर्जा गालिब ठंडे बस्ते में चली गई और फिर कभी रिलीज नहीं हो पाई।

सावन कुमार ने बनाई थी फिल्म बनाने की योजना

साल 1969 में आई निर्देशक ख्वाजा अहमद अब्बास की फिल्म सात हिंदुस्तानी से अमिताभ बच्चन ने बतौर अभिनेता हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि इससे पहले एक और ऐसी फिल्म बन रही थी, जिससे बिग बी का डेब्यू हो सकता था। इसी साल निर्देशक सावन कुमार टाक ने एक फिल्म बनाने की योजना बनाई थी, जिसका नाम था- मिर्जा गालिब। जी हां, मशहूर शायर रहे मिर्जा गालिब की बायोपिक में अमिताभ बच्चन को लीड एक्टर के तौर पर चुना गया। उनके साथ इस मूवी में अभिनेत्री लीना चंद्रावरकर को कास्ट किया गया था। सब कुछ सही चल रहा था।

बचाए जल, तभी संवरेगा आने वाला कल- स्वतंत्र देव सिंह

जलशक्ति मंत्री ने भारी बारिश के बीच बरल गांव में आयोजित जल अर्पण कार्यक्रम में की शिरकत

- भारी बारिश के बीच भीगते बरल और भूजौन्द गांव पहुंच जलशक्ति मंत्री का ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर किया स्वागत
- जल अर्पण कार्यक्रम के जरिए जलशक्ति मंत्री ने ग्राम पंचायत को सौंपी जिम्मेदारी
- हर घर में नल से जल की सप्लाई पाकर भावुक हुए ग्रामीण, बोलें- हमने कभी ऐसा नहीं सोचा था
- योजना का लाभ बताते हुए भावुक हुए ग्राम प्रधान व ग्रामवासी
- जलशक्ति मंत्री ने लोगों को जल शपथ दिलाई

(यंग भारत न्यूज)

झांसी । राज्य सरकार जल जीवन मिशन योजनाओं को पूरा कर उसे ग्राम पंचायत को सौंपने और ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए मिशन मोड में जुट गई है। इसी के तहत जलशक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह ने शनिवार को झांसी के चिरगांव विकास खण्ड के बरल गांव में जल अर्पण कार्यक्रम कर ग्राम पंचायत को नल से जल पहुंचाने वाली इस योजना की कमान सौंपी। साथ ही मोंठ ब्लॉक के भुजौद गांव में जल चौपाल का आयोजन कर लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया। बरल गांव में आयोजित जल अर्पण कार्यक्रम के दौरान जलशक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि अगर हम आज जल बचाएंगे, तभी हमारी आने वाली पीढ़ियों का कल संवरेगा।

मा0 जलशक्ति मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार घरों तक नल से जल की सप्लाई के साथ-साथ परिवारों को फ्री में राशन, घर तक बिजली, पक्की सड़क, किसान सम्मान निधि और बच्चों को पोषण आहार की सुविधा मुहैया करा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने नल से जल आप लोगों के घरों तक पहुंचा दिया है। अब आपकी जिम्मेदारी है कि आप पानी का इस्तेमाल भी करें और संरक्षण भी करें। जिससे आने वाली पीढ़ियों को भी इसी तरह घर तक पानी की सप्लाई मिलती रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक गरौठा श्री जवाहर लाल राजपूत, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अनुराग श्रीवास्तव और जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी समेत बड़ी संख्या में राज्य सरकार के अधिकारी मौजूद थे। बरल गांव में आयोजित जल अर्पण कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने भारी बारिश के बीच जलशक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह का स्वागत पुष्पवर्षा कर किया। कार्यक्रम के दौरान भारी बारिश हो रही थी, इस दौरान ग्रामीणों के मन में असमंजस था कि मंत्री आएंगे या नहीं। मगर मा0 मंत्री जी ने ग्रामीणों को निराश नहीं किया। जलशक्ति मंत्री, अपर मुख्य सचिव श्री अनुराग श्रीवास्तव, जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी समेत जल निगम के सभी अधिकारी भीगते हुए ग्रामीणों के बीच पहुंचे। इस दौरान ग्रामीणों ने जलशक्ति मंत्री के स्वागत में मोदी-योगी के नारे लगाकर गांव के हर घर तक नल से जल पहुंचाने के लिए राज्य और केन्द्र सरकार का धन्यवाद किया। इस मौके पर जलशक्ति मंत्री ने स्थानीय लोगों को जल शपथ दिलाकर जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

योजना से पहले की आपबीती बताते हुए भावुक हुई महिलाएं और ग्राम प्रधान

जल अर्पण कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों ने जल जीवन मिशन योजना आने से पहले के अपने अनुभवों को भी साझा किया। गांव की महिलाओं ने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि पहले हमें पानी के लिए 5 से 7 किलोमीटर तक पैदल चलकर पानी लाना पड़ता था। मगर अब घर-घर नल से जल पहुंचने से बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों में सुधार हुआ है। गर्मियों के दौरान भी पानी की सप्लाई गांवों में हो रही है।

भूजल संरक्षण के साथ-साथ नदी पुनरोद्धार पर भी कर रही सरकार

इससे पहले झांसी के एक निजी होटल में राज्य स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा आयोजित भूजल संवर्धन सेमिनार में जलशक्ति मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान जलशक्ति मंत्री ने लोगों को भूजल संवर्धन की अपील की। साथ ही नदियों के पुनरोद्धार के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में बताया। इस दौरान जलशक्ति मंत्री ने जल सहेलियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षाविद डॉ0 नीति शास्त्री ने किया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष श्री प्रदीप पटेल,विधायक बबीना श्री राजीव सिंह परीछा, सदस्य विधान परिषद श्रीमती रमा निरंजन, विधायक गरौठा श्री जवाहर लाल राजपूत, अपर जिलाधिकारी नमामी गंगे श्री योगेन्द्र कुमार, अधिशासी अभियंता जल निगम श्री मनोज कुमार सिंह, ऐई जल निगम श्री नितेश प्रताप सिंह सहित ग्राम प्रधान बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

भगवान परशुराम सेवा संस्थान न्यास की झांसी महानगर इकाई की गई घोषित

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। शनिवार को भगवान परशुराम सेवा संस्थान न्यास की केंद्रीय कार्य समिति की आवश्यक बैठक संपन्न हुई जिसमें सर्वसम्मति से झांसी महानगर के पदाधिकारी बनाए गए केंद्रीय संयोजक अंचल अरजरिया ने बताया कि राजेश तिवारी को महानगर अध्यक्ष, ज्ञानेंद्र अवस्थी रोहित पांडे प्रमोद सिरोठिया को महामंत्री, उपाध्यक्ष पद पर राधाचरण दुबे, डी0के0 तिवारी, रामगोविन्द तिवारी, संजय गोस्वामी, राहुल पचैरी, विनय उपाध्याय, आर0एन0उपाध्याय, आर0एन0शर्मा, महेश गौतम, अनिल मिश्रा आदि, मंत्री पद पर पंकज दुबे, वैभव तिवारी, कन्हैयालाल मिश्रा, अखिलेश शर्मा, सौरभ शर्मा, विवेक पाठक, मनोज रिछारिया, सागर भट्ट, विकास पाण्डेय (गोल्डी), विमल पचैरी, विनोद रिछारिया, अरूण पाण्डेय, आजाद शर्मा, लखन पुरोहित सहित कार्यकारिणी में अवधेश पाठक, विवेक पाठक, नेहरू तिवारी, कैलाश मालवीय, कपिल भार्गव, दिनेकश, वृजेश त्रिवेदी, सी0एल0 पाठक, आशीष तिवारी, डी0के0 पाण्डेय, सतीश द्विवेदी, अतुल मुदगिल, विनय उपाध्याय,

रोहित पाण्डेय, कैलाश मालवीय, हरीश, विष्णुकांत, गौरव तिवारी, मुकेश मिश्रा, दीपक व्यास, विशाल त्रिपाठी रामनरेश तिवारी, कन्हैया लाल मिश्रा, पप्पू दीक्षित, अखिलेश शर्मा, सौरभ शर्मा, शशिकांत द्विवेदी, महावीर भार्गव, रामगोविन्द तिवारी, विमल पचैरी, अश्वनी शुक्ला, संजय गोस्वामी, राजेश त्रिपाठी, संजीव पटैरिया, आशीष तिवारी (पार्षद), राकेश शुक्ला, दीपक व्यास, आई0के0 पाण्डेय, हरिशचन्द्र गोस्वामी, विनय आदि पदाधिकारी एवं सदस्य गण के रूप में चुने गये । सभी चुने गए पदाधिकारी को केंद्रीय कार्य समिति के संरक्षक डॉ बाबूलाल तिवारी, रामनरेश तिवारी, श्रीमती अनुराधा शर्मा,डॉक्टर दिलीप शर्मा, मैथिली मुद्गल, अध्यक्ष के के दुबे, कार्यकारी अध्यक्ष अखिलेश तिवारी , कम्मू महामंत्री रविकांत मिश्रा, सचिव गुड्डू शर्मा कोषाध्यक्ष दिलीप तिवारी, वीरेंद्र पटेरिया टाटा पटेरिया सुशील भार्गव आलोक चतुर्वेदी ने बधाई प्रेषित करते हुए समाज के विकास के लिए कार्य करने की अपेक्षा नवनियुक्त पदाधिकारी से की है

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की अनूठी पहल: कुरैठा गाँव में भव्य 'प्रतियोगी कार्यशाला' का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी द्वारा गोद लिए गए ग्राम कुरेठा (विकासखण्ड बामौर, जनपद झाँसी) में आज एक दिवसीय भव्य प्रतियोगी कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के आगामी 31वें दीक्षांत समारोह के दृष्टिगत, यह आयोजन उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के दिशानिर्देशन तथा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. मुकेश पांडे जी के कुशल निर्देशन व आदेश के क्रम में सम्पन्न हुआ।

सार्थक विषयों पर केंद्रित रही कार्यशाला

कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए उन्नत भारत अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार बबेले ने बताया कि यह कार्यशाला उन्नत भारत अभियान, महिला एवं बाल विकास विभाग (झाँसी) तथा बेसिक शिक्षा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई।

'इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण विद्यार्थियों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों में रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता, पर्यावरण व जल संरक्षण, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण तथा भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करना है।'

— डॉ. जितेंद्र कुमार बबेले, नोडल अधिकारी

विविध प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाया हुनर

कार्यशाला के दौरान बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए कई विविध और ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया:

भाषण प्रतियोगिता: विद्यार्थियों ने 'जल बचाओ का महत्व', 'जलवायु परिवर्तन' एवं 'वृक्षारोपण' जैसे समसामयिक विषयों पर अपने ओजस्वी विचार व्यक्त किए।

चित्रकला एवं पेंटिंग प्रतियोगिता: बच्चों ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ', 'आत्मनिर्भर गाँव' और 'पर्यावरण संरक्षण' जैसे विषयों पर बेहद आकर्षक और संदेशपरक चित्र बनाए।

कहानी-कथन प्रतियोगिता: 'जल बचाओ-जीवन बचाओ' और 'महिला सशक्तिकरण' जैसे गंभीर विषयों पर बच्चों ने प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं।

परंपरागत खेल: बच्चों के शारीरिक विकास के लिए कबड्डी, खो-खो एवं रस्साकशी जैसे पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया।

आंगनबाड़ी स्वच्छता प्रतियोगिता: इसके अंतर्गत केंद्र की समग्र स्वच्छता के साथ-साथ बच्चों की व्यक्तिगत स्वच्छता (बाल, नाखून, जूते व सफाई) का बारीकी से मूल्यांकन किया गया।

विशेष प्रतियोगिता: बच्चों के भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाती 'मेरी माँ' प्रतियोगिता भी आकर्षण का केंद्र रही।

विश्वविद्यालय के सभागार में होने वाली अंतिम प्रतियोगिता के लिए चयन

सभी प्रतियोगिताओं का संचालन विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ पैनल के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें क्रीड़ा अधिकारी डॉ. सूरजपाल सिंह, डॉ. यतीन्द्र मिश्र (विभागाध्यक्ष, समाज कार्य विभाग), डॉ. जितेंद्र कुमार बबेले, डॉ. रश्मि सिंह एवं डॉ. अमिता कुशवाहा (शिक्षा संस्थान, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय) शामिल रहे।

प्रथम चरण की इन प्रतियोगिताओं में से प्रत्येक प्रतियोगिता से तीन-तीन उत्कृष्ट प्रतिभागियों का चयन किया गया, जो आगामी दिवसों में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में आयोजित होने वाली अंतिम प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त, देशभक्ति गीत गायन तथा जल संरक्षण विषयक सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए 10 मेधावी छात्राओं का भी विशेष चयन किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन, बांटे गए पुरस्कार

कार्यक्रम के समापन अवसर पर छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर देशभक्ति गीतों तथा जल बचाओ-जल संरक्षण विषय पर बेहतरीन अभिनय और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिसने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी छात्राओं को सांकेतिक रूप से पुरस्कृत किया गया और सभी बच्चों को अल्पाहार के रूप में मीठा, कचौड़ी, चॉकलेट एवं फल वितरित किए गए। इस दौरान प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक (जिसमें श्री योगेन्द्र कुमार व उच्च प्राथमिक विद्यालय कुरेठा के प्रधानाध्यापक डॉ. मानसिंह सचान शामिल रहे), शिक्षक, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर, कार्यकर्त्रियाँ, विद्यार्थी एवं भारी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं अंत में सभी के प्रति आभार ज्ञापन नोडल अधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार बबेले द्वारा व्यक्त किया गया।

माँ-बेटी सम्मेलन: दीक्षांत समारोह से पूर्व विश्वविद्यालय में छात्राओं के लिए सफल स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर आयोजित

(यंग भारत न्यूज)

झांसी । कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देशानुसार तथा माननीय कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय जी के मार्गदर्शन में, आगामी दीक्षांत समारोह के पूर्व एक विशेष 'माँ-बेटी सम्मेलन' के अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह शिविर विश्वविद्यालय के देवी अहिल्याबाई छात्रावास में आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं के स्वास्थ्य की नियमित जांच, पोषण संबंधी जागरूकता तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना था।

कुलपति ने दिया स्वस्थ जीवनशैली का संदेश

शिविर के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों की लगभग 150 छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस अवसर पर छात्राओं को संबोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय ने संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, स्वच्छता तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने संबोधन में जोर देकर कहा, 'स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ मन ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और व्यक्तित्व विकास की सबसे मजबूत आधारशिला हैं।'

विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श

शिविर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सक डॉ. मोनिका गुप्ता ने छात्राओं का गहन स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श के साथ-साथ दैनिक जीवन में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए बेहद उपयोगी सुझाव दिए। इस मौके पर सहायक कुलसचिव श्री शेख अंजुम ने भी उपस्थित रहकर छात्राओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सदैव जागरूक रहने का संदेश दिया।

शिक्षिकाओं और वार्डन्स की सक्रिय सहभागिता

कार्यक्रम को सफल बनाने में विश्वविद्यालय के सभी छात्रावासों की वार्डन डॉ. सोमा, डॉ. श्वेता पाण्डेय, डॉ. ममता सिंह, डॉ. ज्योति मिश्रा, डॉ. सुमिरन एवं डॉ. दीप्ति की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का कुशल समन्वय एवं संचालन महिला अध्ययन केंद्र की डॉ. अचला पाण्डेय एवं डॉ. नेहा मिश्रा द्वारा किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर डॉ. शिल्पा मिश्रा, डॉ. शुभागी, डॉ. रितु सिंह, डॉ. रितु शर्मा, डॉ. गुंजा, डॉ. राधिका, डॉ. रानी, डॉ. सुधा दीक्षित, डॉ. शिप्रा वशिष्ठ तथा डॉ. प्रेमलता सहित विभिन्न विभागों की शिक्षिकाएँ और विवि परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य टीम का सराहनीय योगदान

शिविर के सुचारू और सफल संचालन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से आए पवन कुमार (फार्मासिस्ट), दीपा यादव (स्टाफ नर्स) एवं शाहिद सहित पूरी स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सफल संकल्प के साथ समापन:

कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित छात्राओं को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने, संतुलित पोषण का ध्यान रखने तथा एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प दिलाते हुए किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में छात्राओं के बीच स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में यह शिविर एक बेहद महत्वपूर्ण एवं सफल पहल सिद्ध हुआ है।

गुरसरांय, बबीना और कटेरा में मिनी स्टेडियम बनाने का प्रस्ताव

(यंग भारत न्यूज)

झांसी । खेलों में खिलाड़ियों की बढ़ती रुचि एवं प्रतिस्पर्धा के दृष्टिकोण तथा गांव से प्रदेश स्तर तक उदीयमान खिलाड़ियों, महिलाओं, दिव्यांगजन आदि में खेल प्रतिभाओं की उत्कृष्टता के साथ श्रृंखलाबद्ध विकास हेतु मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स स्टेडियम के सभाकक्ष में जिलाधिकारी/अध्यक्ष श्री गौरांग राठी की अध्यक्षता में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत श्री पवन कुमार गौतम, मुख्य विकास अधिकारी/सह उपाध्यक्ष श्री रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड एवं समिति के पदाधिकारीगण व खेल संघों के सदस्यगण उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के प्रतिभाशाली खिलाड़ी, जो वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर जनपद का नाम रोशन कर रहे हैं, उन्हें स्थानीय स्तर पर प्रायोजकों के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाएगा। जनपद में आर्थिक रूप से कमजोर खिलाड़ियों की खेल प्रतिभाओं का चिन्हांकन कर विभिन्न खेलों में विभिन्न आयु वर्ग के ग्रामीण एवं स्थानीय स्तर के उदीयमान खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। उन्होने कहा कि खिलाड़ियों के बहुमुखी विकास एवं निर्धन उदीयमान खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता एवं खेल सामग्री उपलब्ध कराने के लिए समिति को आर्थिक रूप से सुदृढ़ किया जाएगा। साथ ही जनपद में संचालित सभी जिम एवं तरणताल संचालकों का निर्धारित मानकों एवं सुरक्षित वातावरण के अनुरूप पंजीकरण कराया जाएगा, जिससे पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों को सुरक्षित खेल वातावरण प्राप्त हो सके। ग्रामीण स्तर पर खेलों के समग्र विकास हेतु उत्तर प्रदेश खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति नियमावली-2020 के अंतर्गत तहसील स्तर पर तहसील खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति का गठन किया जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभागों, खेल संघों एवं संस्थाओं तथा युवा कल्याण, शिक्षा, समाज कल्याण, महिला कल्याण, स्वास्थ्य, नगर विकास, उद्योग, सेना, रेलवे, सार्वजनिक उपक्रम एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के मध्य समन्वय स्थापित करते हुए खेलों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाए ।मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत श्री पवन कुमार गौतम ने गुरसराय, बबीना एवं कटेरा में मिनी स्टेडियम बनाए जाने का प्रस्ताव रखा, जिस पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के प्रारंभ में क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी श्री कर्मवीर सिंह द्वारा जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर समिति के सदस्य पूर्व अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी श्री सुबोध खांडेकर, मुख्य चिकित्साधिकारी के प्रतिनिधि डॉ. शैलेश कुमार गुप्ता, जिला विद्यालय निरीक्षक रति वर्मा, सहायक निदेशक सूचना सुरजीत सिंह, जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी शिवराम सिंह, उप क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार, सचिव जिला क्रिकेट संघ अजय मिश्रा, जिला ओलंपिक संघ संजीव सरावगी, जिला कबड्डी संघ के प्रतिनिधि प्रेम सिंह यादव, जिला बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष रोहित पांडेय, जिला बैडमिंटन संघ के कमल मल्होत्रा, जिला एथलेटिक्स संघ के सहसचिव शैलेन्द्र कुमार, भारोत्तोलन प्रशिक्षक अंकुर राणा, क्रिकेट प्रशिक्षक नितेश कुमार राज, जिम्नास्टिक प्रशिक्षक विष्णु लाल, हॉकी प्रशिक्षिका सुषमा कुमार, अनुष्का यादव, विकास वैद्य तथा जिम ट्रेनर सहित जिला उद्योग केंद्र अधिकारी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के नामित क्रीड़ा अधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। बैठक में क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी ने सभी उपस्थित जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं पदाधिकारीगणों का आभार व्यक्त किया।

डी सी मनरेगा की मध्यस्थता मे हुई वार्ता, दोषियों पर कार्रवाई का मिला आश्वासन

(यंग भारत न्यूज)

शनिवार को उत्पीड़न की मांग को लेकर ब्लॉक परिसर में धरने पर बैठे रोजगार सेवको का धरना फिलहाल टल गया है मौके पर आए डी सी मनरेगा रामेन्द्र सिंह कुशवाह और बी डी ओ अरूण सिंह तथा रोजगार सेवको के प्रतिनिधि मंडल के बीच हुई बन्द कमरे में वार्ता के बाद तय हुआ है कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718